मनेन्द्रगढ़
08 मार्च 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

डिप्टी सीएम केशव मौर्य के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

2000 फीट ऊंचाई पर अचानक डिस्प्ले बंद हुआ, अंदर धुआं भरा

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य के हेलिकॉप्टर की शनिवार को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उन्होंने लखनऊ से कौशांबी के लिए उड़ान भरी थी। 15 मिनट बाद ही हेलिकॉप्टर का डिस्प्ले अचानक बंद हो गया। अंदर धुआं भरने लगा।

पायलट ने तुरंत लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल यानी एटीसी को सूचना दी। इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी। विमान तब तक 50 किमी दूर बछरावां तक पहुंच गया था। अनुमति मिलते ही पायलट ने वापस लखनऊ एयरपोर्ट की तरफ मोड़ दिया।

एयरपोर्ट पर सुबह 11.15 बजे हेलिकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग करवाई। लैंडिंग तक हेलिकॉप्टर में काफी धुआं भर गया था। हेलिकॉप्टर से केशव समेत 6 लोगों को सुरक्षित नीचे उतारा गया।

नारी राष्ट्र निर्माण की मजबूत शक्ति बनकर उभर रही है : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की एक मजबूत शक्ति बनकर उभर रही है। महिलाओं को सशक्त बनाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री शनिवार को विज्ञान भवन में 'भारती-नारी से नारायणी' महिला विचारकों के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। दो दिवसीय इस सम्मेलन का आयोजन राष्ट्र सेविका समिति, भारतीय विद्वत परिषद और शरण्या द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में लखपति बिटिया योजना, सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड, कोलेट्रल-फ्री लोन और नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति जैसे कदमों के माध्यम से नारी शक्ति को सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।इस अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका वी. शांता कुमारी, राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय तरुणी प्रमुख विजया शर्मा, भारतीय विद्वत परिषद की कार्यदर्शी प्रो. शिवानी वी., शरण्या की अध्यक्ष अंजु आहूजा, शरण्या की सचिव प्रो. चारू कालरा, समाज सेविका डॉ. तेजस्विनी अनंत कुमार सहित अन्य समाजसेविकाएं उपस्थित रहीं।सम्मेलन में देशभर से लगभग 1500 महिला विचारक भाग ले रही हैं। महिला सांसदों, विश्वविद्यालयों की महिला कुलपतियों और महिला संतों के लिए अलग-अलग विशेष सत्र रखे गए हैं।

रूसी तेल खरीद पर केंद्र पर भड़की कांग्रेस :कहा- कब तक चलेगा अमेरिकी ब्लैकमेल

यूएस का भारत को 30 दिन की छूट देने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिका की ओर से जो 30 दिनों की छूट का ऐलान किया है, उसपर सियासी घमासान शुरू हो गया है।कांग्रेस पार्टी ने इसे भारत की संप्रभुता पर हमला और अमेरिकी ब्लैकमेल बताया है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाया है कि आखिर अमेरिका इस तरह से हमें कब तक ब्लैकमेल करता रहेगा।नेता विपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में इस बारे में बीते सेशन का वीडियो शेयर किया है। राहुल ने कहा था- क्या अमेरिका हमें बताएगा कि हम रूस या ईरान से तेल खरीद सकते हैं या नहीं। यह अमेरिका तय करेगा, हमारे प्रधानमंत्री नहीं।

खड़गे ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी पर दबाव डाला जा रहा :कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय संप्रभुता गंभीर खतरे में है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी पर एपस्टीन फाइल्स और अडानी मामले को लेकर दबाव डाला जा रहा है।अमेरिका द्वारा भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए 'अनुमति' देने और 30 दिनों की 'छूट' देने की घोषणा साफ तौर पर दिखाती है कि मोदी सरकार लगातार कूटनीतिक क्षेत्र छोड़ती जा रही है।

ममता बनर्जी का धरना दूसरे दिन भी जारीः रातभर धरनास्थल पर रहीं

बोलीं- SIR में वोटर्स के नाम बंगाल को बांटने के इरादे से हटाए

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी है। ममता रातभर धरना स्थल पर ही रहीं।

ममता ने पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेसिव रिविजन (SIR) में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है।

ममता बनर्जी ने समर्थकों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पोस्ट स्क्रूटनी में वोटर लिस्ट से वोटर्स के नाम हटाना हटाना बंगाल को बांटने के इरादे से किया गया है।

भाजपा बंगाल को बांटकर वोट

छीनने की योजना बना रही है। वे (भाजपा नेता) अन्य राज्यों में बंगाली भाषी लोगों को परेशान कर रहे हैं और बंगालियों को उनके वोट देने के अधिकार से वंचित करने की साजिश रच रहे हैं।धरना स्थल पर ममता के साथ तृणमूल कांग्रेस (TMC) के वरिष्ठ नेता, विधायक और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद हैं। पार्टी समर्थक सुबह से ही पहुंच रहे हैं।

राज्य बजट में घोषित योजनाएं आज से ही लागू करने का ऐलान

हमने बजट में दो योजनाओं की घोषणा की थी। एक है 'बंगालर युवा साथी' और दूसरी है 'भूमिहीन खेत मजदूर'। दोनों योजनाएं अप्रैल से शुरू होनी थीं, लेकिन हमने इन्हें आज से शुरू करने का फैसला किया है। वे बंगाल को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि हमारा राज्य कई योजनाएं लाने में पहले स्थान पर है।

उन्होंने कहा LPG की कीमतें फिर से बढ़ा दी गई हैं।

बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से :पहले दिन ही आएगा लोकसभा स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव, भाजपा-कांग्रेस ने व्हिप जारी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने लोकसभा सांसदों को 9 से 11 मार्च तक सदन में मौजूद रहने के लिए 3-लाइन व्हिप जारी किया है।

कांग्रेस ने अपने सांसदों से कहा है कि वे इन दिनों सदन में मौजूद रहें क्योंकि लोकसभा स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा की संभावना है। वहीं भाजपा ने भी सांसदों को मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

विपक्ष ने स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव का नोटिस दिया है। विपक्ष के 118 सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के सांसदों (29) ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने अपनी पार्टी के चेयरपर्सन के निर्देश के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने का मन बना लिया है।

राहुल बोले- नेता नहीं होता, तो एयरोस्पेस कारोबारी होता

चीन की तारीफ में कहा- इसका इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन सिस्टम बेजोड़, लेकिन वह लोकतांत्रिक देश नहीं है

त्रिवेंद्रम, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केरल के दौरे पर हैं। उन्होंने शनिवार को त्रिवेंद्रम में कहा कि अगर वे पॉलिटिक्स में नहीं होते, तो एयरोस्पेस की दुनिया में एंटरप्रेन्योरशिप करते। राहुल ने कहा कि वे एक पायलट हैं। उनके पिता और चाचा भी पायलट थे। यह परिवार में चलता है। राहुल गांधी केरल के दो दिन के दौरे पर हैं। वे टेक्नोपार्क में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IT) फ्रेटरनिटी के साथ बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने चाइना के इंडस्ट्रियल सिस्टम की तारीफ की।

राहुल ने कहा- चीन ने एक

शानदार इंडस्ट्रियल सिस्टम बनाया है जिसका दुनिया में कोई मुकाबला नहीं है। लेकिन हमें उनका जबरदस्ती वाला सिस्टम पसंद नहीं। वे डेमोक्रेटिक नहीं हैं। राहुल गांधी ने केरल के इडुक्की जिले के कुट्टिकनम में चाय बागान के मजदूरों से बातचीत की और वर्कला के शिवगिरी मठ में श्री नारायण गुरु की समाधि पर भी गए।

रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान जंग का उदाहरण दियाःराहुल ने जियोपॉलिटिकल कंडीशन का उदाहरण देते हुए कहा- अगर आप यूक्रेन जाकर देखें कि युद्ध के मैदान में क्या हो रहा है, तो आप पाएंगे कि सर्कुलर मोशन, ड्रोन इंटरनल कम्बशन इंजन को पूरी तरह से खत्म कर रहा है। ईरान में, आप देखेंगे कि मिलिट्री हिस्सा बैटरी ऑप्टिक्स और इलेक्ट्रिक मोटर की तरफ जा रहा है।

शंकराचार्य बोले-दुर्भाग्य है कि धर्मयुद्ध के लिए निकलना पड़ रहा

'जिंदा हिंदू लखनऊ चलें'- लिखे पोस्टर बांटे; गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा करेंगे

वाराणसी, एजेंसी। बहुत दुर्भाग्य की बात है कि धर्म युद्ध के लिए निकलना पड़ रहा है। अपने ही देश में, अपने ही वोट से चुनी सरकार के सामने, अपनी ही गौ-माता को बचाने के लिए हम लोगों को आंदोलन करना पड़ रहा है।शंकराचार्य स्वामी

अविमुक्तेश्वरानंद ने ये बातें काशी में लखनऊ रवाना होने से पहले शनिवार को कहीं। शंकराचार्य ने इस आंदोलन को 'गो प्रतिष्ठ धर्मयुद्ध सभा' का नाम दिया। वह 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। यहां हजारों संतों की मौजूदगी में सभा करेंगे।

ईरान ने पड़ोसी देशों से माफी मांगी, कहा-हमले नहीं करेंगे:कुछ मिनट बाद कतर पर अटैक

अमेरिका बोला- ईरान पर आज सबसे बड़ा हमला करेंगे

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज आठवां दिन है। इस बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि अब पड़ोसी देशों पर हमले नहीं किए जाएंगे, जब तक कि उन देशों की जमीन से ईरान पर कोई हमला न किया जाए। ईरानी मीडिया के अनुसार राष्ट्रपति ने बताया कि ईरान की अंतरिम नेतृत्व परिषद ने कल इस फैसले को मंजूरी दी है। पेजेशकियन ने पिछले कुछ दिनों में पड़ोसी देशों पर हुए हमलों के लिए उनसे माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि ईरान इन देशों के साथ तनाव बढ़ाना नहीं चाहता और भविष्य में ऐसे हमलों से बचने की कोशिश करेगा।

28 फरवरी को जंग की शुरुआत से अब तक ईरान इजराइल समेत मिडिल ईस्ट के 13 देशों को निशाना

बना चुका है।

वहीं, अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने शनिवार को फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा है कि आज रात ईरान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस हमले का मकसद ईरान के मिसाइल लॉन्चर और मिसाइल बनाने वाली फैक्ट्रियों को भारी नुकसान पहुंचाना है।

ईरान का युद्धपोत भारत में रुका

ईरान का एक युद्धपोत IRIS लावन भारत के कोच्चि बंदरगाह पर रुका हुआ है।मीड ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि ईरान ने 28 फरवरी को तकनीकी खराबी आने के बाद भारत से मदद मांगी थी।

भारत ने 1 मार्च को जहाज को कोच्चि में डॉक करने की अनुमति दी और इसके बाद 4 मार्च को यह बंदरगाह पर पहुंच गया। जहाज के 183 क्रू मेंबर फिलहाल कोच्चि में भारतीय नौसेना की सुविधाओं में ठहरे हुए हैं।IRIS लावन हाल ही में भारत में आयोजित इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू (IFR) 2026 और मिलान 2026 नौसैनिक अभ्यास में शामिल हुआ था, जो 15 से 25 फरवरी के बीच आयोजित हुए थे।इससे पहले अमेरिका ने भारत से लौट रहे ईरानी युद्धपोत IRIS देना को श्रीलंका के पास हमला कर डुबा दिया था।

हरिद्वार में '4 साल बेमिसाल' कार्यक्रम

शाह बोले- उत्तराखंड अटल जी ने बनाया, मोदी संवार रहे, 3 पाकिस्तानी शरणार्थियों को दी नागरिकता

हरिद्वार, एजेंसी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह आज शनिवार को हरिद्वार पहुंचे। शाह ने कार्यक्रम की शुरुआत में 2000 पुलिस आरक्षीयों को नियुक्ति प्रमाण पत्र दिए. पांच आरक्षियों को औपचारिक रूप नियुक्ति पत्र सौंपा गए. इस दौरान अमित शाह ने सीएए के तहत पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए 5 हिंदू परिवारों को नागरिकता प्रमाण पत्र भी सौंपे. उन्होंने 1,100 करोड़ रुपए से अधिक लागत की कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया. अमित शाह ने भारत माता की जय के साथ अपना संबोधन शुरू किया. उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वालों की आवाज दिल्ली तक जानी चाहिए. तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने की मुट्ठी भींचिए और बोलिये भारत माता की जय. उन्होंने जय जय श्री राम का जयकारा भी लगाया.

अमित शाह ने युवाओं को 'मेरे जिगर के टुकड़े' कहा और देवभूमि को प्रणाम किया ।

इससे पहले उत्तराखंड के सीएम धामी ने कार्यक्रम में मौजूद एक लाख से ज्यादा कार्यकर्ताओं और जनता को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हमारा देश एक भारत और श्रेष्ठ भारत की ओर बढ़ रहा है. सशक्त भारत का संकल्प पूरा हो रहा है. भारत आज पूरी दुनिया की आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है. सीएम धामी ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के मित्रों को विश्वपटल पर भारत की बढ़ती लोकप्रियता रास नहीं आ रही है. वे पीएम मोदी का विरोध करने के चक्कर में पूरे देश का विरोध कर रहे हैं. कांग्रेस अपने युवराज के अपरिपक्व नेतृत्व में देश विरोधी हो गई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने विकास के ऐतिहासिक मानक गढ़े हैं ।

पहले नौकरी में पर्ची और खर्ची दोनों से नौकरी मिलती थीः शाह

अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि पहले नौकरी में पर्ची और खर्ची दोनों से नौकरी मिलती थी. अब ऐसा नहीं होता, ना होगा. जब मैं सीएए का कानून लाया था, तो सब विपक्षी हल्ला कर रहे थे. मैं कहना चाहता हूं कि जो बाहरी देश से आए हैं, उनका भारत पर उतना ही अधिकार है जितना अधिकार भारत पर मोदी का है. अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी चाहे जितना विरोध करना है कर लें, हम विदेशों में धार्मिक उत्पीड़न झेल रहे सभी लोगों को नागरिकता देकर रहेंगे । अमित शाह ने कहा कि 6 दशक के बाद ऐसा हुआ जब तीन बार पीएम मोदी बने हैं. कई राज्यों में भी हमने सरकार बनाई. दिल्ली में हमने सरकार बनाई. बिहार में भी सरकारी बनाई. केरल में पहली बार बीजेपी का भगवा लहरा है. हम 26 में पश्चिम बंगा और तमिलनाडु में भी हम सरकार बनाने जा रहे हैं. अब 2027 में हम उत्तराखंड में फिर से सरकार बनाएंगे ।

पत्रकार हत्याकांड में डेरामुखी राम रहीम बरी, पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट का फैसला

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पत्रकार हत्याकांड में बरी कर दिया है। यह फैसला शनिवार सुबह चीफ जस्टिस शील नागू तथा जस्टिस वीरेंद्र अग्रवाल की खंडपीठ ने सुनाया।

हाईकोर्ट का यह फैसला सीबीआई कोर्ट द्वारा करीब सात साल पहले पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में दोषी ठहराए जाने के बाद सुनाया गया है। रामचंद्र छत्रपति की हत्या वर्ष 2002 में हुई थी।

लंबी जांच के बाद मामला सीबीआई को सौंपा गया। जिसने राम रहीम और दूसरों पर हत्या का मुकदमा चलाया। राम रहीम अभी दूसरे मामलों में जेल की सज़ा काट रहा है, जिसमें रेप और दूसरे अपराधों से जुड़े आरोप शामिल हैं।हाई कोर्ट का नया फैसला लंबे समय से चल रहे छत्रपति मर्डर

केस में एक बड़ा कानूनी मोड़ है। इस मामले की सीबीआई जांच के बाद वर्ष 2019 में दोषी ठहराया गया था।रामचंद्र छत्रपति सिरसा से अपना एक अखबार निकालते थे। उन्होंने डेरा से जुड़े कई समाचार प्रमुखता से उठाए थे। सबसे पहले साध्वी यौन शोषण हत्याकांड की खबर उन्होंने अपने लोकल अखबार में प्रकाशित की थी। जिसके कुछ समय बाद उनकी हत्या कर दी गई। हाईकोर्ट ने शनिवार को राम रहीम को इस मामले में बरी करते हुए तीन अन्य कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह व कृष्णलाल की अपील खारिज कर उनकी सजा को बरकरार रखा है।

घरेलू एलपीजी के दाम 60 और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतों में 115 रुपये बढ़ोतरी, नई दरें लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में शनिवार, 7 मार्च से वृद्धि कर दी गई है। देश भर में 14.2 किलोग्राम के घरेलू खाना पकाने वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह, 19 किलोग्राम के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी आज से 115 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे होटल, रेस्तरां और छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों जैसे व्यवसायों पर असर पड़ेगा।

दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़कर 913 रुपये हो गई है। मुंबई में,

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की नई दर अब 852.50 रुपये से बढ़कर 912.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में, कीमत 879 रुपये से बढ़कर 0.30 रुपये हो गई है, जबकि चेन्नई में यह 868.50 रुपये से बढ़कर 928.50 रुपये हो गई है। संशोधित दरें आज से तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। यह वृद्धि व्यवसायों द्वारा उपयोग किए जाने वाले व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों पर भी लागू होती है। दिल्ली में 19 किलोग्राम के व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत 1768.50 रुपये से बढ़कर 1883 रुपये हो गई है। मुंबई में यह कीमत 1720.50 रुपये से बढ़कर 1835 रुपये हो गई है। इसी तरह, कोलकाता में यह कीमत 1875.50 रुपये से बढ़कर 1990 रुपये हो गई है, जबकि चेन्नई में यह 1929 रुपये से बढ़कर 2043.50 रुपये हो गई है।

गैस सिलेंडर महंगा होने पर लोगों की प्रतिक्रिया :राजधानी दिल्ली में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने पर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि कीमत में बढ़ोतरी प्राइस इन्फ्लेशन इंडेक्स के हिसाब से बहुत मामूली है। पूरी दुनिया में एनर्जी की कीमतें बढ़ रही हैं। शोर मचाना विपक्ष का काम है। वहीं कीमत बढ़ने पर कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि यह निश्चित रूप से चिंता की बात है। पहले से ही बहुत महंगाई है और अगर अब कीमतें बढ़ीं हैं, तो जनता पर बोझ और बढ़ेगा। सरकार को चिंतित होना चाहिए और इस पर गौर करना चाहिए।

दिल्ली डबल मर्डर केसः अपनी ही बेटियों को मां ने यों मार डाला, सामने आई वजह; जज बनना चाहती थी गुनिशा

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में मालवीय नगर थाना क्षेत्र स्थित एफ ब्लाक में दो बहनों की हत्या की दर्दनाक घटना ने समूचे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। इसके पीछे एक मां का लंबे समय से चल रहा मानसिक तनाव, पारिवारिक परिस्थितियां और आर्थिक समस्या से जूझता जीवन भी सामने आ रहा है। वहीं, पुलिस अभी तक मामले की तह तक नहीं पहुंच सकी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वह भी कुछ सवालों की तह तक जाने का प्रयास कर रहे हैं, पर आरोपी महिला की हालत ठीक नहीं होने की वजह से उससे पूछताछ नहीं हो सकी है। संभव है कि महिला ने पहले दोनों बेटियों को नशीला पदार्थ दिया गया। फिर एक का मुंह तकिए से दबाकर तो दूसरी की गर्दन क्रेप बैंडेज से घोंट दिया। दोनों की मौत होने के बाद महिला ने भी खुदकुशी के लिए जहरीला पदार्थ खा लिया था, जिसकी वजह से उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, बड़ी बेटी 32 वर्षीय राधिका दिव्यांग थी और मानसिक रूप से भी बीमार रहती थी। बीमारी के कारण वह आठवीं कक्षा से आगे पढ़ाई नहीं कर पाई। उसकी देखभाल और इलाज को लेकर मां सुनीता काफी समय से परेशान रहती थी। दिन-रात बेटी की चिंता और जिम्मेदारी ने धीरे-धीरे उस पर मानसिक दबाव बढ़ा दिया था। इसके अलावा पति सुधीर अरोड़ा के साथ भी सुनीता के रिश्ते सही नहीं चल रहे थे। वह अपने घर में ही पत्नी से अलग रहता था, जिसके चलते सुनीता मानसिक रूप से परेशान रहती थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुधीर ने अपने बयान में बताया है कि वह किसी काम से बाहर गया था। देरी होने के चलते वह बेटियों को फोन मिला रहा था। पर किसी ने उसका फोन नहीं उठाया, जिसके बाद उसने अपने घर आने वाली घरेलू सहायिका को फोन किया, जिसने बताया कि वह घर गई थी, लेकिन किसी ने गेट नहीं खोला तो वह वापस आ गई। इसके बाद सुधीर ने पहले पुलिस को फोन किया और खुद भी घर पहुंचा। जब पुलिस और सुधीर ने गेट तोड़कर घर में प्रवेश किया तो वहां दोनों बेटियों के शव थे और सुनीता बेसुध हालत में पड़ी हुई थी।

परिवार के लोगों के बीच नहीं होती थी बातचीत : सूत्रों ने बताया कि जिस चार मंजिला इमारत में सुधीर का परिवार रहता है, उसमें पहले फ्लोर पर सुधीर की मां, दूसरे पर सुधीर का भाई अपने परिवार के साथ रहता है। जबकि सबसे ऊपर उसकी बहन अपने बेटे के साथ रहती है, वह अपने पति से अलग हो चुकी है। सुनीता की अपने ससुराल पक्ष के लोगों से संबंध ठीक नहीं थे, जिससे घर का माहौल अक्सर तनावपूर्ण बना रहता था। परिवार के लोगों के बीच बातचीत लंबे समय से बंद थी।

न्यायाधीश बनना चाहती थी गुनिशाः घर की छोटी बेटी 28 वर्षीय गुनिशा ने पिछले वर्ष ही कानून में स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी। वह एलएलएम की तैयारी कर रही थी। परिवार को उससे काफी उम्मीदें थीं और वह अपने भविष्य को लेकर भी योजनाएं बना रही थीं। गुनिशा अक्सर न्यायाधीश बनने की बात किया करती थी। पड़ोसियों के अनुसार अरोड़ा परिवार करीब 60 वर्षों से इलाके में रह रहा था और शांत स्वभाव के लिए जाना जाता था। बड़ी बेटी राधिका विशेष जरूरतों वाली थी और घर पर ही रहती थी, जबकि छोटी बेटी गुनीशा ने एलएलबी की पढ़ाई पूरी की थी। पड़ोसियों का कहना है कि परिवार अपनी बेटियों को बहुत प्यार से रखता था और किसी को अंदाजा नहीं था कि घर के अंदर ऐसी त्रासदी हो सकती है।

यह थी पूरी घटना : पुलिस को बृहस्पतिवार की शाम 6:10 बजे सूचना मिली कि मालवीय नगर एफ ब्लाक (मकान नंबर 6/5) में एक घर का दरवाजा काफी देर बंद है, अंदर से कोई जवाब नहीं मिल रहा। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजे के ऊपर की खिड़की खोलकर दरवाजा खोला। बताया कि घर के अलग-अलग दो कमरों में दो सगी बहनों राधिका अरोड़ा और गुनीशा अरोड़ा के शव पड़े थे। एक युवती का शव बिस्तर पर पड़ा था और उसके मुंह पर तकिया रखा हुआ था। दूसरी युवती का शव बेड पर पड़ा था। उसके गले को क्रेप बैंडेज से घोंटा गया था। उसके हाथ पर कट के निशान भी थे। पुलिस को गुनीशा के कमरे में ही जमीन पर उसकी मां सुनीता अरोड़ा अचेत पड़ी मिली। उसकी सांस चल रही थी। पुलिस ने बिना देरी किए उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस को घटनास्थल से फिनाइल पीसी हुई गोलियां भी मिली हैं। आशंका जताई जा रही है कि मां ने बेटियों की हत्या के बाद खुदकुशी की कोशिश की। पुलिस ने एफएसएल और क्राइम टीम के सहयोग से घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। फिलहाल पुलिस महिला की सेहत में सुधार होने का इंतजार कर रही है, ताकि उससे पूछताछ कर इस डबल मर्डर की गुत्थी सुलझाई जा सके।

मेडिकल कॉलेज रिश्वत मामले में पिता-पुत्र को सीबीआई कोर्ट ने सुनाई सजा, एक-एक लाख का जुर्माना भी लगा

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में सीबीआई कोर्ट ने झज्जर के वर्ल्ड कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च से जुड़े रिश्वतखोरी के मामले में आरोपी पिता-पुत्र को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। आरोपियों ने कोर्ट में प्ली बारगेनिंग यानि दोषमुक्ति समझौता के तहत कोर्ट से कम सजा दिए जाने की मांग की थी। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को छह महीने के साधारण कारावास और एक-एक लाख रुपये के जुर्माने की सजा दी है। वर्ष 2017 में केंद्र सरकार ने बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण देश के 46 मेडिकल कॉलेजों पर दाखिला लेने से रोक लगा दी थी। झज्जर स्थित वर्ल्ड कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज भी इन्हीं प्रतिबंधित कालेजों में शामिल था। आरोप था कि कॉलेज के चेयरमैन डॉ. नरेंद्र सिंह और कुंवर निशांत सिंह ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए विनोद कुमार शर्मा और वैभव शर्मा के साथ मिलकर एक आपराधिक साजिश रची। इस काम के लिए रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 50 लाख रुपये का भुगतान किया गया था। जिसे सीबीआई ने तीन अगस्त 2017 को छापामारी के दौरान बरामद कर लिया था। मुकदमे के दौरान आरोपितों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए दंड प्रक्रिया संहिता के तहत प्ली बारगेनिंग के लिए आवेदन किया था। कोर्ट ने फैसला देते हुए पाया कि इस मामले में किसी भी सरकारी सेवक की संलिप्तता या राजकोष को आर्थिक हानि पहुंचाने का प्रमाण नहीं मिला है। आरोपितों ने अपने किए पर खेद प्रकट किया है। सीबीआई द्वारा जब्त किए गए 50 लाख रुपये को विभाग के पक्ष में जब्त करने का आदेश दिया गया है। विशेष सीबीआई न्यायाधीश प्रमेंद्र कुमार ने 27 फरवरी को दोनों को आईपीसी की धारा 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा आठ के तहत दोषी ठहराया। दोनों आरोपितों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

प्ली बारगेनिंग : अधिवक्ता अनीस चौधरी के मुताबिक प्ली बारगेनिंग यानि दोषमुक्ति समझौता एक ऐसी कानूनी प्रक्रिया है, जिसमें आपराधिक मामलों में आरोपित पक्ष अभियोजन पक्ष के साथ बातचीत कर अपना अपराध स्वीकार कर लेता है। लेकिन मुकदमे का सामना करने के बजाय अभियोजन पक्ष से सजा कम करने के लिए समझौता करता है। इसका उद्देश्य लंबी कानूनी कार्यवाही को कम करना और जेलों पर भार कम करना है।

दिल्ली में खाद्य सुरक्षा अभियान बेअसर, रिपोर्ट आने तक बिक जाती है मिलावटी सामग्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में निगरानी व कानूनी सैंपल की कमी और जांच में देरी के खेल ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग के सैंपलिंग अभियान को प्रभावहीन बनाकर रख दिया है। राष्ट्रीय राजधानी में होली के मद्देनजर विभाग ने 26 फरवरी को बाजारों से 66 खाद्य सैंपल लिए थे। उस समय सरकार और विभाग दोनों ने ही बड़े-बड़े दावों के साथ इस कार्रवाई का खूब प्रचार प्रसार किया था। पर, होली बीत जाने के बाद भी विभाग ने न तो इन सैंपल की जांच रिपोर्ट को लेकर कोई जानकारी दी और न ही कार्रवाई की। ई-मेल और फोन करने पर भी कोई उत्तर नहीं दिया गया। प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि त्योहार के दौरान ही मिलावटी खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग क्यों होती है और जब सैंपलिंग के बाद भी संबंधित खाद्य पदार्थ की बिक्री जारी रहती है तो अभियान का औचित्य क्या? विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, नियमों के कारण अधिकांश मामलों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सैंपल लेने के बाद संबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री तुरंत नहीं रोकी जाती। सैंपल को प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाता है और आगे की कार्रवाई प्रयोगशाला की रिपोर्ट के आधार पर होती है। रिपोर्ट आती है 14 से 30 दिन बाद, ऐसे में यदि किसी सैंपल में मिलावट या मानकों का उल्लंघन पाया भी जाता है, तो तब तक वह खाद्य सामग्री बाजार में बिक चुकी होती है और उपभोक्ता उसे उपयोग कर चुके होते हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग के विशेष अभियान में लिए गए 66 सैंपलों में 54 निगरानी (सर्विलांस) और 12 कानूनी (एन्फोर्समेंट) सैंपल शामिल थे। ये सैंपल मिठाई, खोया, पनीर, मसाले, तेल, अनाज और तैयार खाद्य पदार्थों से लिए गए थे और परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। विभाग के अनुसार निगरानी सैंपलों की संख्या अधिक होती है, जबकि कानूनी सैंपल की संख्या कम। इस कारण कई मामलों में मिलावट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई बेहद सीमित रहती है। निगरानी सैंपलिंग से बाजार की स्थिति का आकलन तो होता है, लेकिन मिलावट के मामलों में प्रभावी कार्रवाई मुख्यतः कानूनी सैंपलों के आधार पर ही होती है। प्रयोगशाला रिपोर्ट में खाद्य पदार्थ मिलावटी, सब-स्टैंडर्ड या मिसब्रांडेड पाया जाता है, तब नोटिस, जुर्माना और अदालत में मामला दायर करने की कार्रवाई की जाती है।

फरीदाबाद में कार के अंदर मिली दो सगे भाइयों की लाश, दम घुटने से मौत की आशंका

फरीदाबाद, एजेंसी। नवीन नगर इलाके में दो सगे भाईयों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। दोनों के शव देर रात अगवानपुर रोड पर कार के अंदर मिले। मृतकों की पहचान रोशन नगर निवासी 44 वर्षीय कुंदन कुमार और 38 वर्षीय रंजन कुमार के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में दोनों की मौत दम घुटने से हुई बताई जा रही है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान अस्पताल भिजवाए हैं। स्वजन से पता चला है कि दोनों भाई शुक्रवार सुबह कार लेकर घर से निकले थे। देर शाम तक जब वापस नहीं लौटे तो स्वजन ने उनकी तलाश शुरू की। उनकी कार नवीन नगर इलाके में अगवानपुर रोड पर खड़ी मिली। उसके अंदर दोनों के शव थे।

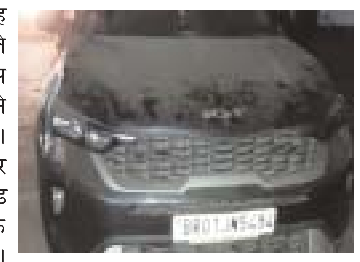

आस-पास के लोगों ने बताया कि कार सुबह 10 बजे से खड़ी थी, लेकिन किसी ने कार की तरफ ध्यान नहीं दिया, क्योंकि वहां सड़क किनारे और भी कारें खड़ी रहती हैं। पुलिस ने बताया कि कुंदन कुमार सेना से सेवानिवृत्त थे और रंजन कुमार छोटा मोटा काम करते थे। दोनों रोशन नगर इलाके में पिछले करीब 10 साल से रह रहे थे।

गाजियाबाद में निवेश का मौका, मधुबन बापूधाम योजना के मिक्स लैंड यूज प्लॉट बिक्री में; 18 मार्च को लगेगी बोली

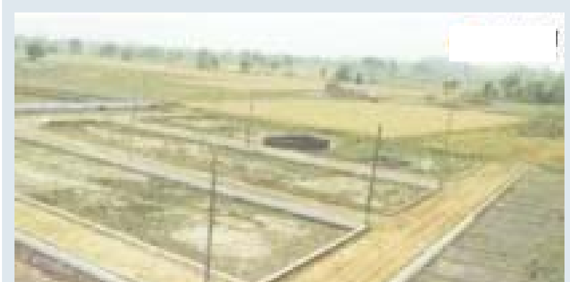

गाजियाबाद, एजेंसी। प्राधिकरण की मधुबन बापूधाम योजना में पहली बार मिक्स लैंड यूज भूखंड खरीदने का मौका है। इसके साथ ही ग्रुप हाउसिंग, होटल, हाईस्कूल और अन्य व्यावसायिक भूखंड भी नीलामी के लिए रखे गए हैं। आगामी 18 मार्च को होने वाली नीलामी के लिए इच्छुक खरीदार 13 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। मधुबन बापूधाम योजना में 18 मीटर चौड़ी सड़क पर स्थित पांच मिक्स लैंड यूज भूखंड पहली बार बिक्री के लिए शामिल किए गए हैं। इन भूखंडों को खरीदने के बाद खरीदार प्राधिकरण से नक्शा स्वीकृत कराकर आवासीय के साथ व्यावसायिक गतिविधियां भी संचालित कर सकेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इन भूखंडों की बिक्री के बाद अन्य मिक्स लैंड यूज भूखंड भी चरणबद्ध तरीके से बेचे जाएंगे। नीलामी में कुल 15 बड़े भूखंड शामिल किए गए हैं। इनमें चार ग्रुप हाउसिंग, तीन होटल और दो व्यावसायिक भूखंड हैं। इनका आकार एक हजार वर्ग मीटर से लेकर 20 हजार वर्ग मीटर तक है। इसके अलावा पाकेट ए, बी और सी में हाईस्कूल और अन्य सुविधाओं के लिए करीब दस भूखंड भी शामिल किए गए हैं, जिनका आकार एक हजार से छह हजार वर्ग मीटर तक है। जीडीए के अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि खरीदारों को रिजर्व प्राइस से अधिक बोली लगानी होगी और किसी भी भूखंड पर एकल बोली नहीं लगा सकेंगे। उन्होंने बताया कि गत वर्ष विभिन्न योजनाओं में भूखंडों की बिक्री से प्राधिकरण को करीब 288 करोड़ रुपये की आय हो चुकी है।

संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भारत की नई शिक्षा नीति की तारीफ

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र में भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के समावेशी शिक्षा मॉडल की सराहना हुई। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधार्थी जैन ह्यूबल ने कहा कि यह नीति दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को मजबूत करती है और परीक्षा-केंद्रित व्यवस्था से आगे बढ़कर कौशल व योग्यता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देती है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 61वें सत्र में भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के समावेशी शिक्षा मॉडल की वैश्विक स्तर पर सराहना की गई है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधार्थी जैन ह्यूबल ने जेनेवा में परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की यह नीति दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को सुरक्षित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। ह्यूबल ने रेखांकित किया कि पारंपरिक परीक्षा-केंद्रित प्रणाली के बजाय भारत अब कौशल और योग्यता आधारित शिक्षा पर जोर दे रहा है। उन्होंने विशेष रूप से अक्षर फाउंडेशन जैसे संगठनों के कार्यों का उल्लेख किया, जो सरकारी स्कूलों के साथ मिलकर दिव्यांग छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ रहे हैं। ह्यूबल के अनुसार सहायक तकनीकों और लचीले शिक्षण रास्तों के माध्यम से भारत के लगभग 21 लाख विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने वैश्विक समुदाय से भारत के इस होलिस्टिक (समग्र) शिक्षा मॉडल को समर्थन देने की अपील की, जो न केवल साक्षरता बल्कि रोजगार और सामाजिक भागीदारी पर भी केंद्रित है।

बता दें कि भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव लेकर आई है। यह नीति पारंपरिक परीक्षा-केंद्रित मॉडल से हटकर कौशल और योग्यता आधारित शिक्षा पर जोर देती है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता लागू करने की तैयारी तेज, ब्रिटिश संसद में चर्चा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सरकार के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष भारत और ब्रिटेन के बीच कुल व्यापार 47.2 अरब पाउंड रहा, जो एक साल में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस समझौते से वर्ष 2040 तक दोनों देशों के बीच व्यापार में लगभग 25.5 अरब पाउंड की वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। ब्रिटेन की संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स में इस समझौते को लेकर चर्चा हुई, जिसमें सांसदों ने इसके विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। ब्रिटेन के व्यापार एवं उद्योग विभाग के राज्य मंत्री लॉर्ड जेसन स्टॉकवुड ने कहा कि अब सरकार का ध्यान समझौते पर हस्ताक्षर से आगे बढ़कर उसके क्रियान्वयन पर केंद्रित हो गया है। उन्होंने बताया कि इस समझौते के लागू होने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि यह इस वर्ष वसंत ऋतु के अंत तक लागू हो सकता है। स्टॉकवुड ने इस समझौते को दोनों देशों के संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

उनके अनुसार, इस समझौते के तहत भारत 90 प्रतिशत वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेगा, जिससे ब्रिटेन के मौजूदा निर्यात के लगभग 92% हिस्से को लाभ मिलेगा। बहस के दौरान कुछ सांसदों ने कहा कि यह समझौता केवल नए बाजार खोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे व्यापार को स्थिरता मिलेगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी और दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग भी बढ़ेगा। ब्रिटिश संसद में इस समझौते की पुष्टि की प्रक्रिया जारी है। सांसदों और लॉर्ड्स द्वारा सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद इसे लागू किया जाएगा, जिसकी संभावना अगले महीने जताई जा रही है। इससे ब्रिटेन को शुरुआत में हर साल करीब 40 करोड़ पाउंड की शुल्क बचत होने का अनुमान है, जो अगले दस वर्षों में बढ़कर लगभग 90 करोड़ पाउंड तक पहुंच सकती है।

उन्होंने बताया कि इस समझौते के बाद भारत में औसत आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटकर करीब 3 प्रतिशत रह जाएगा। ब्रिटिश सरकार के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष भारत और ब्रिटेन के बीच कुल व्यापार 47.2 अरब पाउंड रहा, जो एक साल में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस समझौते से वर्ष 2040 तक दोनों देशों के बीच व्यापार में लगभग 25.5 अरब पाउंड की वृद्धि होने की उम्मीद है।

हिंदू देवी के नाम पर नॉन-वेज स्टॉल देख भड़के लोग, यूट्यूबर समेत कई ने की तोड़फोड़; हरकत में आई फरीदाबाद पुलिस

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में हिंदू देवी के नाम पर नॉन-वेज का स्टॉल लगाने पर कथित हिंदू कार्यकर्ता भड़क गए। उन्होंने न केवल स्टॉल पर लगा पोस्टर फाड़ डाला बल्कि स्टॉल संचालक को भी धमकाया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, पुलिस का कहना है कि इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। तोड़फोड़ करने वालों में होडल का रहने वाला कॉमेडियन यूट्यूबर भी शामिल था, जिसे रेहड़ी वाले को धमकाते देखा जा सकता है। यह घटना फरीदाबाद सेक्टर-11 की बताई जा रही है। दरअसल, यह पूरा विवाद एक नॉन-वेज स्टॉल का नाम हिंदू देवी के नाम पर रखने के बाद से शुरू हुआ। खुद को हिंदू संगठन के सदस्य बताने वाले युवक स्टॉल पर पहुंचे और स्टॉल वाले को दुकान का नाम बदलने के लिए धमकाने लगे। इस दौरान उन्होंने रेहड़ी पर लगा पोस्टर फाड़ डाला। तोड़फोड़ करने वालों में एक होडल का कॉमेडियन यूट्यूबर गिरधर शर्मा भी शामिल है। वहीं, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कई युवकों को रेहड़ी वाले के ऊपर चिल्लाते, रेहड़ी पर तोड़फोड़ करते देखा जा सकता है। स्टॉल संचालक ने पुलिस को इस मामले में कोई शिकायत नहीं दी है।

हिंदू देवी का नाम लगा पोस्टर हटाया : बताया जा रहा है कि स्टॉल संचालक भी हिंदू ही है। यूट्यूबर गिरधर शर्मा का कहना है कि स्टॉल संचालक हिंदू देवी के नाम पर नॉन-वेज की स्टॉल चला रहा था। उसे दो दिन पहले यह नाम हटाने के लिए आगाह किया गया था, मगर उसने बात नहीं मानी। इसके बाद उसकी दुकान से हिंदू देवी का नाम लगा पोस्टर हटाया गया है। वहीं, सेक्टर-11 चौकी पुलिस का कहना है कि वायल वीडियो संज्ञान में है, मगर अभी तक कोई व्यक्ति शिकायत लेकर नहीं आया है। यह वीडियो सेक्टर-11 में मिलन रेस्टोरेंट के पास का बताया जा रहा है। पुलिस टीम ने वहां भी जांच की, मगर ऐसा कोई स्टॉल संचालक नहीं मिला है।

पश्चिम एशिया में जंग का असरः होर्मुज मार्ग पर मंडराए संकट के बादल

ईरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बढ़ते तनाव ने दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा जलधारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को जोखिम में डाल दिया है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की लगभग 90% जरूरतें आयात पर निर्भर करता है, जिसमें से अधिकांश तेल इस मार्ग से आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मार्ग पर किसी भी बाधा से तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे भारत के आयात बिल और अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ सकता है पश्चिम एशिया में ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री जीवनरेखा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को जोखिम में डाल दिया है। ऊर्जा बाजार विश्लेषकों और इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के आकलन के अनुसार, यदि संघर्ष लंबा खिंचता है या इस समुद्री मार्ग पर बाधा आती है, तो भारत की तेल और गैस आपूर्ति के साथ-साथ निर्यात व्यापार भी प्रभावित हो सकता है। इसी आशंका को देखते हुए भारत सरकार संभावित ऊर्जा और व्यापारिक संकट को लेकर सतर्क हो गई है। यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ईआईए) के अनुसार फारस की खाड़ी से निकलने वाला अधिकांश तेल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होकर गुजरता है, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा समुद्री मार्गों में से एक है। यह जलडमरूमध्य अपने सबसे संकरे हिस्से में लगभग 33 किमी चौड़ा है। भारत के संदर्भ में यह मार्ग और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 90 प्रतिशत आयात करता है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के आंकड़ों के मुताबिक भारत प्रतिदिन करीब 25 से 27 लाख बैरल कच्चा तेल आयात करता है। इसका बड़ा हिस्सा इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आता है।

यही जहाज होर्मुज मार्ग से होकर भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचते हैं। ऊर्जा बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि तेल कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव भी भारत की अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है। कमोडिटी बाजार विश्लेषण के अनुसार, कच्चे तेल की कीमत में हर 1 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से भारत के वार्षिक आयात बिल में लगभग 2 अरब डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है।

भारत पर कैसे पड़ेगा असर? यहां समझिए : यदि वैश्विक तनाव के कारण कीमतों में लगातार 10 डॉलर तक की बढ़ोतरी होती है तो भारत पर अतिरिक्त 13 से 14 अरब डॉलर का बोझ पड़ सकता है।

जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो भारत को उतनी ही मात्रा का तेल खरीदने के लिए अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं, क्योंकि तेल का व्यापार वैश्विक स्तर पर डॉलर में होता है। इससे भारत का आयात बिल बढ़ जाता है, जबकि निर्यात उतनी तेजी से नहीं बढ़ता। नतीजतन देश से बाहर जाने वाली विदेशी मुद्रा ज्यादा हो जाती है, जिससे चालू खाते का घाटा (करंट अकाउंट डेफिसिट) बढ़ने लगता है। ऊर्जा बाजार पर नजर रखने वाली संस्थाओं के मुताबिक यदि ईरान के लगभग 33 लाख बैरल प्रतिदिन के तेल उत्पादन में व्यवधान आता है तो वैश्विक बाजार में तुरंत असर दिख सकता है। विश्लेषकों का अनुमान है कि ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 9 से 15 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। यदि संघर्ष और गंभीर हो जाता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बाधित होती है, तो ब्रेंट क्रूड की कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल या उससे अधिक तक पहुंच सकती है।

पेट्रोल ही नहीं, रसोई गैस की आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है : यह संकट केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रह सकता।

आत्मनिर्भरता की मिसाल बना ग्राम गजरी का महुआ प्रसंस्करण केंद्र, महुआ लड्डू और कुकीज से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की तकदीर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विकासखंड मझौली अंतर्गत ग्राम गजरी में महिलाओं ने महुआ को आजीविका का सशक्त माध्यम बनाकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है मध्य प्रदेश राज्य आजीविका मिशन एवं इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग के सहयोग से संचालित हरित भारत फंड परियोजना के अंतर्गत यहां महुआ प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना की गई है इस केंद्र में 25 से 30 महिलाएं महुआ लड्डू और महुआ कुकीज का निर्माण कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कुछ वर्ष पहले तक गांव की महिलाएं महुआ एकत्रित करने के लिए पेड़ों के नीचे आग लगा देती थीं, जिससे मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण को

नुकसान पहुंचता था उत्पादन में गिरावट आती जा रही थी और बाजार में महुआ का उचित मूल्य भी नहीं मिल पाता था।

महिलाओं के पास आत्मनिर्भर बनने का कोई सशक्त साधन नहीं था इसी दौरान हरित भारत फंड परियोजना के अंतर्गत सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट स्वामी शरण कुशवाहा और परियोजना प्रबंधक हिमांशु भारद्वाज ने गांव में उत्पादक समूहों का गठन कर जागरूकता अभियान शुरू किया महिलाओं को महुआ को नेट के माध्यम से एकत्रित करने का

प्रशिक्षण दिया गया नेट उपलब्ध नहीं होने पर पुरानी साड़ियों से जाल बनाकर महुआ संग्रहण कराया गया इससे समय की बचत हुई और बेहतर गुणवत्ता के कारण महुआ को बाजार में अच्छा मूल्य मिलने लगा।

बढ़ती मांग को देखते हुए महिलाओं ने वन विभाग और आजीविका मिशन से संपर्क किया जिसके बाद कई महिलाओं को महुआ नेट उपलब्ध कराए गए आज गांव की अधिकांश महिलाएं नेट के माध्यम से महुआ संग्रहण कर रही हैं और इसकी मांग लगातार बढ़ रही है महिलाओं को स्थायी आय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम गजरी में महुआ प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना की गई यहां तैयार किए जा रहे महुआ लड्डू और कुकीज स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पहचान बना रहे हैं।

केंद्र का उद्घाटन और निरीक्षण क्षेत्रीय विधायक कुवर सिंह टेकाम द्वारा किया गया। सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने भी केंद्र का भ्रमण कर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए महुआ उत्पादों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है महुआ लड्डू और कुकीज प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला सहित कई मंत्रियों और विधायकों को भेंट किए गए।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ इकाई रीवा की मासिक बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ इकाई रीवा की मासिक बैठक ग्राम हर्दीकला में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन संतोष कुमार सिंह के प्रांगण में ग्राम इकाई हर्दीकला के अध्यक्ष वीरेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुआ बैठक में राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रविदत्त सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।इसके साथ ही ग्राम इकाई धुंधकी के अध्यक्ष दीनानाथ पटेल सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान क्षेत्र के किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। किसानों ने बताया कि ग्राम हर्दीकला में नेबूहा कैनाल की माइनर नहर स्वीकृत है जिसमें कुछ किसानों को मुआवजा मिल चुका है जबकि कई किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। साथ ही नहर का निर्माण कार्य भी अधूरा पड़ा हुआ है जिसके कारण खेतों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है और किसानों को खेती में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से शीघ्र नहर निर्माण कार्य पूर्ण कराने और शेष किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की बैठक में किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए किए जा रहे पंजीयन में भी अनियमितता की शिकायत की। किसानों का कहना था कि पंजीयन के लिए कियोस्क संचालकों द्वारा प्रति किसान 100 रुपये तक की राशि ली जा रही है, जबकि शासन द्वारा निर्धारित शुल्क 50 रुपये है। किसानों ने इस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की। इसके अलावा किसानों ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई। किसानों ने बताया कि कई स्थानों पर मीटर रीडर नियमित रूप से रीडिंग लेने नहीं आते, जिसके कारण उपभोक्ताओं को बढ़े हुए और गलत बिजली बिल भेजे जा रहे हैं। किसानों ने कहा कि जब तक बिजली बिलों में सुधार नहीं किया जाएगा, तब तक उपभोक्ता बिल जमा नहीं करेंगे। उन्होंने विभाग से बिलों की जांच कर सही बिल जारी करने की मांग की। बैठक में किसानों की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने का निर्णय लिया गया इस अवसर पर रविदत्त सिंह, वीरेन्द्र प्रताप सिंह, जीतेन्द्र सिंह, दीनानाथ पटेल, हरीश प्रसाद रजक, ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, राजेन्द्र बहादुर सिंह, संतोष सिंह, विष्णु प्रताप सिंह, शिवशरण यादव, संतोष कुमार सिंह, रावेन्द्र सिंह, अरुण प्रताप सिंह, ओम सिंह परिहार, अनूप कुमार सिंह तथा कुनाल सिंह सहित कई किसान उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की जाती है समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है अब किसान 10 मार्च तक अपना पंजीयन करा सकेंगे इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि किसान एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल एप के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकते हैं। सीधी जिले में गेहूं उपार्जन के लिए प्रस्तावित सभी खरीदी केंद्रों पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है उन्होंने सभी किसानों से निर्धारित खरीदी केंद्रों में अपना ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने की अपील की है क्योंकि केवल पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की जाएगी। किसान स्वयं के मोबाइल या कंप्यूटर से भी पंजीयन कर सकते हैं इसके अलावा खरीदी केंद्रों तथा ग्राम पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्रों पर नि:शुल्क पंजीयन की व्यवस्था की गई है किसान 50 रुपये शुल्क देकर एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र तथा साइबर कैफे के माध्यम से भी पंजीयन करा सकते हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि पंजीयन के समय किसान आधार संख्या से लिंक बैंक खाते की जानकारी अवश्य दर्ज करें, जिससे भुगतान की राशि सीधे ऑनलाइन खाते में की जा सके। पंजीयन कराने के लिए किसान को बोए गए खेत के खसरा नंबर की ऋण पुस्तिका तथा आधार से लिंक बैंक खाते की जानकारी प्रस्तुत करनी होगी।

कुसमी में कक्षा 5वीं एवं 8वीं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी सीधी के नेतृत्व में आज से कक्षा 5वीं एवं 8वीं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ किया गया कुसमी में यह मूल्यांकन कार्य प्राचार्य मॉडल स्कूल राजकुमार सिंह तथा बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी की देखरेख में संचालित किया जा रहा है कक्षा 5वीं के मूल्यांकन के लिए 2 कक्ष तथा कक्षा 8वीं के लिए 3 कक्ष निर्धारित किए गए हैं जहां व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन कार्य प्रारंभ कराया गया। कुसमी में संचालित कक्षा 5वीं एवं 8वीं के मूल्यांकन कार्य का प्रथम दिवस सहायक संचालक ओशो उत्सव तथा एपीसी डॉ. सुजीत मिश्र, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सीधी द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मूल्यांकन कार्य की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के कार्यक्रमों से सैकड़ों छात्र-छात्राएं लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय दिव्यगवां जवा (रीवा) में तिमाही कैलेंडर के अनुसार माह जनवरी एवं फरवरी 2026 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की मासिक रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में जिला संभाग एवं भोपाल स्थित उच्च अधिकारियों को प्रेषित की गई है इन कार्यक्रमों के माध्यम से महाविद्यालय के विभिन्न वर्गों के छात्र छात्राओं को कैरियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई प्राप्त जानकारी के अनुसार जनवरी 2026 में आयोजित कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति अनुसूचित

जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जनवरी माह में कुल 18 पुरुष छात्र एवं 73 महिला छात्राएं कार्यक्रमों से लाभान्वित हुईं। इसी प्रकार फरवरी 2026 में भी विभिन्न विषयों पर आयोजित मार्गदर्शन सत्रों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली जिसमें 29 पुरुष छात्र एवं 73 महिला छात्राएं शामिल रहीं। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत महाविद्यालय के विषय विशेषज्ञों द्वारा अलग-अलग विषयों पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। 12 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर डॉ. राजेश बुनकर एवं अन्य विशेषज्ञों ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेकर अपने कैरियर निर्माण के लिए जागरूक रहने का संदेश दिया। 16 जनवरी को स्टार्टअप दिवस पर छात्रों को स्वरोजगार और नवाचार के अवसरों की जानकारी दी गई। इसके अलावा 23 जनवरी को आजाद हिंद फौज दिवस के अवसर पर प्रो. सुदीप कुमार पाण्डेय ने युवाओं में राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व क्षमता पर प्रकाश डाला। 1 फरवरी को राघवेश सिंह राठौर द्वारा इंडिजिनस नॉलेज से संबंधित जानकारी साझा की गई वहीं 2 फरवरी को डॉ. ज्ञानेन्द्र पाठक ने वेटलैंड संरक्षण के विषय पर विद्यार्थियों को जागरूक किया। 10 फरवरी को डॉ. अतुल पाण्डेय द्वारा आईटी और डिजिटल साक्षरता विषय पर मार्गदर्शन दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दिनेश यादव ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी हैं उन्होंने बताया कि इन आयोजनों से छात्र-छात्राएं अपने कैरियर के प्रति जागरूक होकर भविष्य में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

महिला दिवस पर नगर पालिका की पहल महिलाएं कर रहीं पौधारोपण और पेयजल गुणवत्ता जांच

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नगर पालिका परिषद सीधी द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। नगर पालिका क्षेत्र में 'वुमन फॉर ट्री' अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) से जुड़ी स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएं शहर के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल कर रही हैं इसके तहत महिलाएं पौधों को पानी देना, खाद डालना तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का कार्य कर रही हैं संजय गांधी पार्क, अमहा तालाब तथा नगर

पालिका परिसर के पीछे लगाए गए पौधों की देखरेख भी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा की जा रही है। इसी क्रम में 'अमृत मित्र योजना' के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाएं घर-घर जाकर पेयजल की गुणवत्ता की जांच (वाटर क्वालिटी टेस्टिंग) का कार्य भी कर रही हैं जिससे नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके यह कार्य महिलाओं के लिए आजीविका का एक महत्वपूर्ण साधन भी बन रहा है। इसके माध्यम से उन्हें प्रतिमाह लगभग 3 से 4 हजार रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है। उल्लेखनीय है कि इन गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 13 मार्च को भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है जहां देशभर से आई महिलाओं के साथ उन्हें अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिलेगा ।

कलेक्टर ने जयंत कोल माइंस का निरीक्षण किया, पर्यावरण और परिवहन व्यवस्था की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। कलेक्टर गौरव बैनल ने जयंत कोल माइंस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोयला उत्पादन, सुरक्षा व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण और कोयला परिवहन से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की कलेक्टर बैनल ने अधिकारियों से वार्षिक उत्पादन लक्ष्य की जानकारी ली और इसे शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए उन्होंने खदान से निकलने वाले कोयले के ग्रेड की जानकारी भी प्राप्त की और उत्पादन प्रक्रिया को निर्धारित मानकों के अनुसार संचालित करने पर जोर दिया सुरक्षा व्यवस्थाओं पर विशेष जोर देते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि खनन कार्य के दौरान सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाए इसका उद्देश्य श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है उन्होंने ब्लास्टिंग के दौरान भी निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनिवार्य पालन करने को कहा। पर्यावरण संरक्षण के संबंध में कलेक्टर गौरव बैनल ने खनन कार्य पूर्ण हो चुके क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधरोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मोरवा क्षेत्र के विस्थापन प्रक्रिया को समय पर पूरा करने और खनन क्षेत्र के पास स्थित आवासों के लिए मुआवजा वितरण कर परियोजना को आगे बढ़ाने का भी निर्देश दिया कोयला परिवहन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने यातायात नियंत्रण और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उपायों की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोयले का परिवहन निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार ही किया जाए।

किराना दुकानदार पर हमला शराब पीने से रोकने पर दुकान में घुसकर मारपीट

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न बस स्टैंड में रात एक किराना दुकानदार पर हमला किया गया कुछ अज्ञात युवकों ने दुकान में घुसकर दुकानदार के साथ मारपीट की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जिसमें आरोपी दुकान का शटर उठाकर अंदर घुसते और दुकानदार पर हमला करते दिख रहे हैं किराना स्टोर के संचालक दिलीप कुमार गुप्ता ने बताया कि उनकी दुकान के पास कुछ युवक शराब पी रहे थे और वहीं पेशाब भी कर दिया। जब दुकानदार ने उन्हें ऐसा करने से रोका और उस जगह को साफ करने के लिए कहा, तो युवक नाराज हो गए।

बाघ 67 ने शावक को मारा, संजय टाइगर रिजर्व में बाघिन के बच्चे का शिकार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय टाइगर रिजर्व में एक नर बाघ मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।-67 ने बाघिन मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।-40 के एक शावक का शिकार कर उसे खा लिया। यह घटना गुरुवार सुबह सफारी के दौरान सामने आई, जब जंगल भ्रमण पर गए पर्यटकों ने बाघ को शावक को खाते हुए देखा पर्यटकों ने तत्काल इसकी सूचना टाइगर रिजर्व प्रबंधन को दी बाघिन मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।-40 पिछले तीन महीनों से अपने तीन शावकों के साथ जंगल के अलग-अलग हिस्सों में रह रही थी। वह लगातार अपने बच्चों को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रही थी और कई बार जंगल के किनारे वाले इलाकों में भी देखी गई थी। हालांकि, वह अपने एक शावक को नर बाघ के हमले से नहीं बचा सकी। शावक को बचाने के लिए बाघिन ने प्रयास भी किया, लेकिन ञ्ज-67 के हमले के सामने उसकी कोशिशें नाकाम रहीं पर्यटकों द्वारा घटना की जानकारी अधिकारियों तक पहुंचाई गई।

राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह जी का भाजपा कार्यालय अटल कुंज सहित जिले भर के कई स्थानों में हुआ स्वागत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह जी एक दिवसीय प्रवास पर रीवा पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता जी के अगुवाई में राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह जी का भव्य स्वागतए वंदनए अभिनन्दन चाकघाटए मनगवांए रतहराए नया बस स्टैण्ड फ्लाई ओवरए सहित भाजपा कार्यालय अटल कुंज में हुआ। स्वागत समारोह के दौरान आतिशबाजी भी की गई। जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेताए कार्यकर्ताए जनप्रतिनिधिए महिलायें व सभी मोर्चो के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता द्वारा गजमाला से स्वागत किया गया

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह ने उद्बोधन में कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के त्याग व परिश्रम के परिणामस्वरूप आज पुष्पित और पल्लवित हो रही है। पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता अपने आचार विचार और व्यवहार से लगातार पार्टी को मजबूत करने के लिए अग्रसर है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज अनेकों जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति का जीवन किस प्रकार से सहज और सरल हो इसके लिए हमसब लोग काम कर रहे है। प्रधानमंत्री मोदी के विकासित

भारत 2047 तक के लक्ष्य के लिए हमसब लोग एक साथ भारत माता को परम वैभव तक पहुंचाने के लिए पूरी ताकत और ऊर्जा के साथ अर्हनिस पार्टी व समाज के कामों में लगें रहेंगे। आज रीवा में विकास के पंख लग चुके हैए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उड़ान योजना के माध्यम से रीवा में लगातार हवाई सेवाओं का विस्तार हो रहा है।

अमेरिका का मुगालता, रूस से तेल खरीद की छूट उदारता नहीं बल्कि मजबूरी

संपादकीय

अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारत को रूस से एक माह तक तेल खरीदने की छूट को लेख मजबूरी बताता है, उदारता नहीं। भारत ने यूरोपीय संघ से व्यापार समझौता कर अमेरिका को संदेश दिया कि उसके पास अन्य विकल्प हैं। अमेरिकी प्रशासन ने भारत को रूस से एक माह तक तेल खरीदने की जो कथित छूट दी, उससे कुछ ऐसा ध्वनित हो रहा है कि यह तय करने का अधिकार उसने अपने हाथ ले लिया है कि कौन देश किससे, कब तेल खरीद सकता है और कौन नहीं? उसके पास ऐसा कोई अधिकार न था, न है और न हो सकता है, लेकिन यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के बहाने वह लंबे समय से भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाए हुए है।

उसने भारत पर रूस से तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी थोपा, पर भारत ने इसकी परवाह नहीं की। आखिरकार उसने अपने स्तर से ही भारत से अंतरिम व्यापार समझौता पर सहमति बन जाने की घोषणा करते हुए पारस्परिक टैरिफ 25 से 18 प्रतिशत किया और रूस से तेल खरीदने के कारण लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को खत्म किया। वास्तव में वह ऐसा करने के लिए बाध्य हुआ, क्योंकि भारत ने यूरोपीय संघ से सभी व्यापार समझौते की जननी कहे जाने वाला व्यापार समझौता कर उसे यह संदेश दिया कि उसके पास और भी विकल्प हैं। सच यह भी है कि भारत ने रूस से तेल खरीद पूरी तौर पर कभी भी बंद नहीं की। जनवरी और फरवरी माह में भी उसने रूस से तेल खरीदा। इसके अलावा भारत बार-बार यह भी दोहराता रहा है कि वह अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए रूस समेत कहीं से भी तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र है।आखिर जब भारत रूस से तेल खरीद ही रहा है तो फिर अमेरिका के यह कहने का क्या मतलब कि वह भारत को उससे 30 दिन के लिए तेल खरीदने की छूट दे रहा है? अमेरिका ने तथाकथित उदारता दिखाते हुए भारत को रूस से तेल खरीदने की जो मंजूरी दी, वह उसकी मजबूरी का ही परिचायक है। वह जानता है कि ईरान से युद्ध के कारण पश्चिम एशिया से तेल एवं गैस की आपूर्ति बाधित हो रही है और उनके दाम भी बढ़ रहे हैं। इससे समूची विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष जो संकट पैदा होगा, उसके दुष्प्रभाव से वह भी नहीं बच पाएगा। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि तेल एवं गैस की आपूर्ति का जो वैश्विक संकट खड़ा हो गया है, उसके लिए मूलतः अमेरिका ही जिम्मेदार है। यदि वह इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला नहीं करता तो होर्मुज जल मार्ग से तेल की आपूर्ति बाधित नहीं होती। यह अमेरिका की जिम्मेदारी है कि वह उक्त जल मार्ग से पश्चिम एशियाई देशों से आने वाले तेल की आपूर्ति की बाधाओं को दूर करे, लेकिन फिलहाल वह इसमें समर्थ नहीं दिख रहा है, क्योंकि ईरान हार मारने को तैयार नहीं।

राष्ट्रीय भाव से बड़ी विचारधारा नहीं –नौजवानों में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने की तात्कालिक ज़रूरत

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर सबसे युवा देश जिसकी 65 फ़ीसदी आबादी उसकी सबसे मूल्यवान संपत्ति है वह है भारत !जहां दुनियाँ की युवा आबादी का पांचवा हिस्सा है जो एक जनसांख्यिकीय लाभांश पैदा करने की ताकत रखता है, इतिहास गवाह है कि आज तक दुनियाँ में जितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, चाहे वे सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक रहे हों, उनके मुख्य आधार युवा ही रहे हैं। भारत में भी युवाओं का एक समृद्ध इतिहास है। प्राचीनकाल में आदिगुरु शंकराचार्य से लेकर गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी ने अपनी युवावस्था में ही धर्म और समाज सुधार का बीड़ा उठाया था।पुनर्जागरण काल में राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती के साथ विवेकानंद जैसे युवा विचारक ने धर्म और समाज सुधार आंदोलन का नेतृत्व किया। इतिहास ने युवाओं की शक्ति का प्रभाव देखा है। उदाहरण के तौर पर भारत की आजादी में अनेक युवाओं ने अपना योगदान दिया और कई युवाओं ने बलिदान तक दिया। इसके परिणामस्वरूप हमारा देश ब्रिटिश सरकार को भागने में कामयाब हुआ। युवाओं ने इस प्रकार अनेक ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। इसलिए आज का युवा भी विजन 2047, विज़न 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की देश की अर्थव्यवस्था के महत्वकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जो कार्यबल के साथ साथ बाजार की उपलब्धि करा सकता है।नवाचार, नवोन्मेष, स्टार्टअप, उद्यमशीलता, विविधता की संस्कृति को चला रहे हैं ऐसी मुल्यवान ताकत युवाओं में हमें राष्ट्र हित से जुड़े मुद्दों की समझ विकसित करने, उनकी चिंताओं जिज्ञासाओं को समझकर उनको उत्साहवर्धन करने की तात्कालिक ख़ास ज़रूरत है जो सर्वोपरि राष्ट्र सेवा है, क्योंकि यदि राष्ट्रहित सर्वोपरि होगा तो हमारा राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, अन्तर्राष्ट्रीय बाधाओं सहित अनेक मुद्दों और विषयों में सुरक्षित होगा।

साथियों बात अगर हम युवाओं को उत्साहवर्धन की करें तो आज अभिभावकों, शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, राजनीतिक नेताओं से लेकर हर उस जानकार व्यक्तित्व का कर्तव्य है कि युवाओं में राष्ट्रहित की भावना को तेजी से विकसित करें युवाओं में यह भाव पैदा करना होगा कि घर से महत्वपूर्ण समाज, उस से महत्वपूर्ण गांव, शहर, राष्ट्र है। इसलिए राष्ट्र हित की भावना सबसे पहले युवाओं में जागृत कराना जरूरी हैं। क्योंकि, युवा राष्ट्र का संरचनात्मक और कार्यात्मक ढांचा है। हर राष्ट्र की सफलता का आधार उसकी युवा पीढ़ी और उनकी उपलब्धियाँ होती हैं। राष्ट्र का भविष्य युवाओं के सर्वांगीण विकास में निहित है। इसलिए युवा राष्ट्र निर्माण में सर्वोच्च भूमिका निभाते हैं, इसके साथ ही देश का प्रत्येक नागरिक अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट और सर्वोच्च विकास के लिए प्रयासरत रहे। वास्तव में यही राष्ट्रहित है। जाति, धर्म और क्षेत्रीयता की संकीर्ण मानसिकता से उपर उठकर देश के प्रति गर्व की एक गहरी भावना महसूस करना ही राष्ट्रवाद है।

साथियो बात अगर हम भारत के सबसे कम उम्र वाली आबादी होने की करें तो, भारत के 1.35 बिलियन लोग इसे दुनियाँ का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश बनाते हैं, लेकिन औसतन 29 वर्ष की आयु के साथ, यह विश्वस्तर पर सबसे कम उम्र की आबादी में से एक है। जैसे ही युवा नागरिकों का यह विशाल संसाधन कार्यबल में प्रवेश करता है, यह एक जनसांख्यिकीय लाभांश बना सकता है।संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष द्वारा जनसांख्यिकीय लाभांश को जनसंख्या की आयु संरचना में बदलाव के परिणामस्वरूप आर्थिक विकास के रूप में परिभाषित किया जाता है, मुख्यतः जब कामकाजी उम्र की आबादी आश्रितों की संख्या से बड़ी होती है।

साथियों बात अगर हम युवाओं में राष्ट्रहित, राष्ट्रीयता भावना जगाने की करें तो, पहला कार्य व्यक्ति निर्माण का है और राष्ट्रीय संस्कार व्यक्ति में बनेंगे तो निश्चित तौर से वह निज हित से ऊपर राष्ट्र हित को प्राथमिकता देगा। देश के हर वर्ग के युवा राष्ट्रहित को सर्वोपरि समझे तभी हम एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर पाएंगे। युवाओं को हमरे पूर्वजों से प्रेरणा लेनी चाहिए संस्कृति को समझना होगा। युवा संगठन से ऑनलाइन जुड़कर भी देश को मजबूती दे सकते हैं।राष्ट्र से बड़ा कोई संगठन नहीं है और राष्ट्रीय भाव से बड़ी विचारधारा नहीं हो सकती।

आधी दुनिया पर बढ़ते अत्याचार कब रुकेंगें

नरेन्द्र भारती

8 मार्च 2026 विश्व महिला दिवस पर विशेष

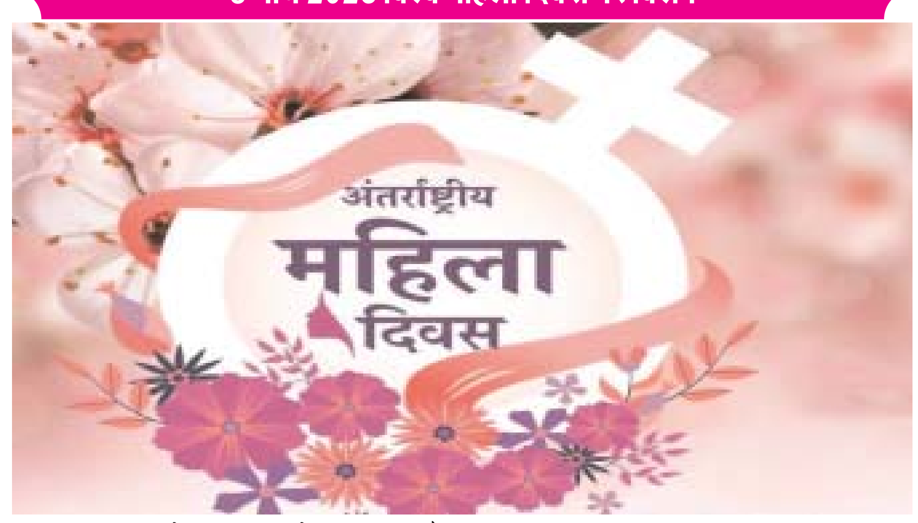

आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की बुलंदियां छु रही हैं चांद तक अपनी काबलियत का परचम लहरा रही है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए सैंकड़ों कड़े कानून बनाए गए है मगर यह कानून सरकारी फाईलों की धूल चाट रहे है अगर सही तरीके से लागू किए होते तो इन मामलों में इजाफा नहीं होता।आज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है चाहे घर हो दफतर हो बस सड़क गली या चैराहा हो महिलाएं हर जगह असुरक्षित ही महसूस कर रही है।प्रतिदिन हैवानियत की हदें लांघी जा रही है महिलाओं की अस्मिता का जनाजा निकाला जा रहा है।कश्मीर से कन्याकुमारी तक महिलाएं असुरक्षित है।आज हर जगह दुशासन महिलाओं की इज्जत नीलाम कर रहे हैं।विश्व गुरु कहलाने वाले भारत में महिलाओं पर जुल्मों की सूची लम्बी होती जा रही हैं।जब देश की राष्ट्रीय राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो महानगरों व छोटे कस्बों का क्या हाल होगा इससे अदांजा लगाया जा सकता है।2020 में लाकडाउन के समय महिलाएं सुरक्षित थी मगर ज्यों ही लाकडाउन खुल गया हैवानों ने हैवानियत शुरु कर दी थी।2025 में भी दरिंदगी की हदें पार होती रही थी।आधी दुनिया पर बढतें अत्याचार देंश के लिए अशुभ संकेत है।वर्ष 2026में भी हालात सुधर नहीं रहे है देश में बेटियां हर जगह असुरक्षित महसूस कर रही हैं।बेटियों की सुरक्षा के दावे कहां है।यह एक यक्ष प्रशन है यह सुलगते प्रशन है कि बेटियां कब सुरक्षित होगी। साल के 365 दिन महिलाओं पर अत्याचार होते रहते हैं।आज महिलाओं पर अनगिनत अत्याचार हो रहे है मगर सरकारों की कुम्भकरणी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं।आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय-समय पर ऐसे घिनौने कर्म होतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं है। महिलाओं पर बढते अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है। देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है।इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है।सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है।आखिर कब तक बेटियां दरिदगी का शिकार होती रहेगी। ऐसी बारदातें बहुत ही चिंतनीय हैं।बेखौफ दरिदें अराजकता फैला रहे है दरिदों की दरिदगी की वारदातें कब रुकेगी अपराध की तारीख बदल जाती है मगर तस्वीर नहीं बदलती। हर रोज अस्मत लूटी जा रही है।दरिदों द्वारा हर राज्य में दरिदगी का सामाज्य बना रहे है।दरिदों की अराजकता बढ़ती ही जा रही है।जंगलराज स्थितियां बन रही है।कानून को धता बताकर दरिदें दरिदगी का तांडव कर रहे है। दरिदों को सरेआम मौत के घाट उतारना हागा ताकि आने वाले समय में दरिदे कई बार सोचेगें की उनकी करतूतो का क्या अंजाम होगा। अब समय आ गया है कि दरिदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है।वर्ष 2026 के जनवरी माह से देश के हर राज्य में इन मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है।साल के दो माह में यह दुष्कर्म रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार को इन मामलों पर त्वरित कारवाई करनी होगी।हर रोज दरिदें दरिदगी का तमाशा कर रहे है।देश में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है। प्रतिदिन इन अपराधों में इजाफा होता जा रहा है।देश में दरिदगी की वारदाते कब रुकेगीं।गत वर्ष हिमाचल में भी गुडिया कांड हुआ था।इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब द्वारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सी से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेप का मामला घटित हो गया था।यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसे प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। देश में लड़कियां कितनी महफूज है इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। देश में हर रोज अबोध बच्चियों से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं से दुष्कर्म कर रहे है।फांसी की सजा से ही इन मामलो पर विराम लग सकता है। 2025 में भी अत्याचारों का सिलसिला बेखौफ चलता रहा दरिदों ने अपनी दरिदगी का नंगा नाच जारी रखा। हजारों महिलाएं व नाबालिग बच्चीयां दुष्कर्मो का शिकार हुई। वर्ष 2026 के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारो की शुरुआत हो चुंकी है जनवरी से लेकर 8 मार्च तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हुई हैं ।प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे है और निरंतर इन मामलों में बेतहासा वृद्धि हो रही है। छेड़छाड के अलावा तेजाब व दुष्कर्म की घटनाएं भी बदस्तूर जारी है वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदगी की हदें पार करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदमाशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फैंक दिया जिस कारण उस लड़की की मौत हो गई थी। गत वर्ष उत्तर प्रदेश का बंदायू एक बार फिर शर्मसार हुआ था जहां एक बार फिर दो नाबालिग चचेरी बहनों से गैगरेप का मामला प्रकाश में आया था पांच आरोपियों ने शौच को गई नाबालिगों को अगवा करके उनके साथ बदूंक की नोक पर दुष्कर्म किया था। आज बाल-विवाह हो रहे है नाबालिग लड़कियों की शादियां अधेड़ो से की जा रही है ऐसे लोगों के विरुद्व समाज को कारवाई करनी चाहिए। 16 दिसंबर 2012 को जो हादसा दिल्ली में निर्भया के साथ हुआ था उसके बाद देश में महिलाओं से होने वाले दुष्कर्मों की बाढ़ सी आ गई कि हर दिन राजधानी से लेकर शहर व गांवों में सामूहिक दुष्कर्म थमनें का नाम ही नहीं ले रहे हैं।निर्भया के दरिदों को तो उनके पाप की सजा फांसी के रुप में मिल गई स्न्द्यद्ध। देश में आज भ्रूण हत्याएं हो रही हैं नवजात शिशु झाड़ियों व कूड़ेदानों व मंदिरों में मिल रहे है जिनमें ज्यादातर शिशु लड़कियां ही होती है। आज लड़कियों से इतनी नफरत क्यों की जा रही है आदमी यह कैसे भूल रहा है कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी। देश में ऐसे मामले प्रतिदिन घटित हो रहे है। नवजात व अबोध बच्चियो से दुष्कर्म हो रहे है।हिमाचल में हुए गुड़िया कांड ने भी देवभूमि को हिला कर रख दिया था। दिल्ली में गुड़िया के साथ ऐसा ही एक दरिंदगी हुई थी जब एक किराएदार ने उसके साथ रुह कंपा देने वाला घिनौना काम किया था।दरिदें हर जगह दरिंदगी की शरणस्थली बना रहे ।कुछ बीमार मानसिकता के लोगो ने भारत की छवि को दागदार किया है जनमानस को अब संकल्प लेना होगा तथा एकजुट होकर ऐसे लोगों का खात्मा करना होगा जो देश के लिए कंलक हैं।फांसी के जितने भी मामले लंबित हैं त्वरित कारवाई करके दरिदों का सर्वनाश करना चाहिए। ताकि आने वाले समय में ऐसे अमानवीय कृत्यो पर लगाम लग सके ।यदि अब भी कानूनों में सख्ती न बरती तो ऐसे दरिदें फिर से इन घिनौनी वारदातों को अंजाम देते रहेगें ।इसलिए अब ऐसे लोगों को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। केन्द्र सरकार को चाहिए कि देश के सार्वजनिक स्थलों पर हर समय सुरक्षा व्यवस्था कायम की जाए। सादी वर्दी में महिला पुलिस तैनात करनी चाहिए। सरकार को बिना समय गंवाए इन दरिदों का खात्मा करना चाहिए। ऐसे दरिदें देश के लिए घातक हैऐसे दरिदें न जाने कैसे वातावरण में रहते होगें ।ऐसे लोगो को समाज की कोई फिक्र नहीं होती कि उनके कृत्यों से पूरा समाज द्रवित होता है । समाज में ऐसे लोग बहुत ही घातक सिद्व हो रहे है ।

राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की बहुमुखी भूमिका, परिवार से समाज तक

डॉ सुनीता बघेल सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान शासकीय महाविद्यालय, दिव्यागवां, रीवा, मध्य प्रदेश

किसी भी राष्ट्र की समग्र उन्नति और उसके चारित्रिक विकास की धुरी उस समाज में महिलाओं की स्थिति और उनकी सक्रिय भागीदारी में निहित होती है। 'राष्ट्र निर्माण' कीसंकल्पना केवल आर्थिक सूचकांकों या भौतिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक संवर्धन की एक व्यापक और सतत प्रक्रिया है। इस परिप्रेक्ष्य में महिलाओं की भूमिका अत्यंत 'बहुमुखी' सिद्ध होती है, जहाँ वे एक ओर परिवार रूपी प्राथमिक इकाई के आधार स्तंभ के रूप में उभरती हैं, तो दूसरी ओर समाज और वैश्विक अर्थव्यवस्था की प्रेरक शक्ति के रूप में राष्ट्र के भविष्य को दिशा देती हैं। परिवार, जिसे समाज की लघुतम किंतु सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक इकाई माना जाता है, राष्ट्र की नींव के सुदृढ़ीकरण का केंद्र है। यहाँ महिला की भूमिका एक सजग 'निर्माता' की होती है। एक माँ के रूप में वह न केवल नई पीढ़ी का पालन-पोषण करती है, बल्कि भावी नागरिकों में राष्ट्रभक्ति, ईमानदारी और अनुशासन जैसे मूल्यों का बीजारोपण कर 'मूल्य संवर्धन' का कार्य करती है। यह परिवार रूपी पाठशाला ही है जहाँ से एक सशक्त राष्ट्र के चरित्र की नींव पड़ती है। इसी श्रृंखला में पत्नी और बेटी के रूप में उनकी भूमिका पारिवारिक सामंजस्य और मानसिक संबल प्रदान करने की होती है, जो अंततः एक स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त समाज के निर्माण के लिए अपरिहार्य है।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर का यह कथन आज भी प्रासंगिक है कि 'मैं किसी समुदाय की प्रगति को उस समुदाय की महिलाओं द्वारा हासिल की गईप्रगति से मापता हूँ। ' समकालीन युग में राष्ट्र निर्माण की यह यात्रा 'अदृश्य श्रम' की सीमाओं को लांघकर आर्थिक आत्मनिर्भरता के नए सोपानों तक पहुँच चुकी है। आज भारत की विकास गाथा में महिलाओं की कार्यबल सहभागिता एक महत्वपूर्ण कारक बनकर उभरी है। कृषि की परंपरागत भूमिकाओं से लेकर कॉर्पोरेट जगत के नेतृत्वकारी पदों तक और सूक्ष्म उद्योगों से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे जटिल क्षेत्रों तक, महिलाओं का बढ़ता हस्तक्षेप राष्ट्र की नवाचार क्षमता और सकल घरेलू उत्पाद में क्रांतिकारी योगदान दे रहा है। यह आर्थिक स्वावलंबन न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है, बल्कि राष्ट्र की क्रयरु शक्ति और निवेश क्षमता को भी विस्तार दे रहा है।

राष्ट्र निर्माण का एक अन्य महत्वपूर्ण आयाम सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन और समावेशी शासन है। शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे बुनियादी क्षेत्रों में महिलाओं ने न केवल अपनी योग्यता सिद्ध की है, बल्कि सामाजिक चेतना की मशाल भी थामी है। बाल विवाह, दहेज और लिंग भेद जैसी जड़वत समस्याओं के विरुद्ध आंदोलनों का नेतृत्व कर उन्होंने एक अधिक समतामूलक समाज की रूपरेखा तैयार की है। इसके अतिरिक्त, स्थानीय निकायों से लेकर संसद तक महिलाओं की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी यह सुनिश्चित कर रही है कि देश की नीतियां नकेवल विकासोन्मुखी हों, बल्कि उनमें मानवीय संवेदना और समावेशिता का पुट भी हो।

हालाँकि, इस बहुमुखी भूमिका के सफल निर्वहन के मार्ग में चुनौतियाँ अब भी विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमामय वातावरण ही वह उर्वर भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तारकर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयात्री नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और सृजनात्मक शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विकसित और सशक्त राष्ट्र के निर्माण की गति को कई गुना बढ़ा देते हैं। यह सर्वमान्य सत्य है कि एक पुरुष को शिक्षित करने पर केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है, परंतु एक महिला को शिक्षित और सशक्त करने पर पूरा परिवार और अंततः संपूर्ण राष्ट्र प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है।

नारी शक्तिः सृजन, संघर्ष और सफलता की प्रतीक

नारी शक्ति केवल एक शब्द नहीं है, बल्कि सृजन, संवेदनशीलता, साहस और नेतृत्व का जीवन्त प्रतीक स्वरूप है। भारतीय संस्कृति में नारी को आदिकाल से ही पूज्यनीय माना गया है। उसे देवी, जननी एवं शक्ति का रूप कहा गया है। यह मान्यता केवल धार्मिक भावनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को भी दर्शाती है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

डॉ. नीलिमा पिम्पलापुरे
लेखिका, शिक्षाविद
समाजसेविका, सागर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को विश्व भर में मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक उपलब्धियों का सम्मान करने के साथ-साथ लैंगिक समानता के लिए चल रहे संघर्षों को भी रेखांकित करता है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि जागरूकता, सम्मान और बदलाव का प्रतीक है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत बीसवीं शताब्दी में हुई थी। वर्ष 1910 में डेनमार्क की राजधानी कोपनहेगन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय समाजवादी महिला सम्मेलन में जर्मन समाजवादी नेता क्लारा जेटकिन ने महिलाओं के लिए एक विशेष दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद 1911 में कई देशों में महिला दिवस मनाया जाने लगा। संयुक्त राष्ट्र ने 1975 में, जिसे अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया गया था, उसे 8 मार्च 1975 को आधिकारिक रूप से महिला दिवस मनाना शुरु किया। आज यह दिन विश्व भर में अलग-अलग थीम के साथ मनाया जाता है, जो महिलाओं के अधिकार, सम्मान, समान अवसर और सशक्तीकरण पर केन्द्रित होते हैं।

महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और निर्णय-निर्माण के क्षेत्र में समान अवसर मिलना चाहिए। आज भी कई समाजों में महिलाओं को भेदभाव का सामना करना पड़ता है। यह दिन उन महिलाओं को सम्मानित करने का अवसर है, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों-विज्ञान, राजनीति, खेल, कला और साहित्य में उल्लेखनीय योगदान दिया है। महिला दिवस युवा पीढ़ी को प्रेरित करता है कि वे समाज में समानता को बढ़ावा दें और सकारात्मक परिवर्तन लायें।

आज की महिलायें हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं-चाहे वह विज्ञान और तकनीक हो, राजनीति, सेना, खेल या उद्यमिता। डिजिटल युग ने महिलाओं को नए अवसर प्रदान किये है। सरकार और सामाजिक संगठन भी बेटियों की शिक्षा एवं सुरक्षा के लिए अनेक योजनायें चला रही है, फिर भी समाज में कई चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं जैसे-वेतन अंतर, घरेलू हिंसा, बाल विवाह और शिक्षा में असमानता। इन समस्याओं को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

नारी परिवार की आधारशिला होती है। वह एक बेटी, बहिन, पत्नि और माँ के रूप में समाज को संस्कार देती है। उसके बिना परिवार और समाज की कल्पना अधूरी है। आज महिलायें केवल गृहकार्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे आर्थिक रूप से भी परिवार को सशक्त बनाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलायें आत्मनिर्भर बन रही हैं। शहरी क्षेत्रों में महिलायें उच्च शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न पेशों में अग्रणीय भूमिका निभा रही हैं। हालाँकि प्रगति के बावजूद महिलाओं को अभी भी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है- जैसे भेदभाव, अशिक्षा, दहेज प्रथा और सुरक्षा सम्बन्धी समस्यायें। इन समस्याओं के समाधान के लिए शिक्षा का प्रसार, समान अवसर और सामाजिक जागरूकता अत्यन्त आवश्यक है। शासन द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न अभियान जैसे-बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही समाज को अपनी मानसिकता में परिवर्तन लाना होगा और महिलाओं को सम्मान तथा समान अधिकार देने होंगे।

नारी शक्ति समाज की वास्तविक शक्ति है। वह केवल घर की शोभा नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। जब महिलायें शिक्षित, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर होंगी, तभी देश सच्चे अर्थों में प्रगति करेगा। इसलिए आवश्यक है कि हम नारी का सम्मान करें, उसे समान अवसर दें और उसके सपनों को साकार करने में सहयोग करें। नारी शक्ति का उत्थान ही राष्ट्र की उन्नति का मार्ग है। आत्मनिर्भर नारी ही सशक्त समाज की नींव है। नारी का अर्थ है ऐसी महिला जो आर्थिक, सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वयं पर विश्वास करते हुए अपने निर्णय स्वयं लेने में समक्षम हो। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, शिक्षा, कौशल और अधिकारों की समझ से भी जुड़ी हुई है। जब नारी आत्मनिर्भर बनती है, तब परिवार, समाज और राष्ट्र तीनों सशक्त होते हैं।आर्थिक स्वतंत्रता, आत्मनिर्भरता का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। जब महिला स्वयं आय अर्जित करती है, तो वह न केवल अपने परिवार की सहायता करती है, बल्कि अपने जीवन से जुड़े निर्णय भी स्वतंत्र रूप से ले पाती है। शहरी क्षेत्रों में महिलायें, स्टार्टअप, आई.टी., बैंकिंग, शिक्षा और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही है। शासन की कई ग्रामीण योजनायें, महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर रही है। आर्थिक आत्मनिर्भरता महिलाओं को सम्मान और आत्मविश्वास प्रदान करती है। शिक्षा एवं साक्षरता ही आत्मनिर्भरता का एक प्रमुख उपाय है। शिक्षित महिला अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। डिजिटल साक्षरता और व्यवसायिक प्रशिक्षण महिलाओं को नए अवसरों से जोड़ रहे है। ऑनलाइन प्लेटफार्म और कौशल विकास कार्यक्रम महिलाओं को घर बैठे सीखने और कमाने का अवसर दे रही है। आत्मनिर्भर नारी मानसिक रूप से भी मजबूत होती है। वह अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझती है तथा अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने में सक्षम होती है। आत्मनिर्भरता का एक महत्वपूर्ण पहलू आत्म-सम्मान है-जब महिला स्वयं को कमजोर नहीं, बल्कि सक्षम समझती है। इसलिए आवश्यक है कि हम महिलाओं को शिक्षा के अवसर और सम्मान प्रदान करें, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर राष्ट्र-निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा सकें।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह सिखाता है कि जब महिलायें सशक्त होती हैं, तो परिवार, समाज एवं राष्ट्र प्रगति करते हैं। यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि समानता, सम्मान और अधिकारों की निरन्तर यात्रा का प्रतीक है। आईये, इस महिला दिवस पर हम संकल्प लें, कि हम एक ऐसे समाज का निर्माण करें, जहाँ हर महिला को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले।

हेल्थकेयर मैनेजमेंट में नया नजरिया लेकर उभरे डॉ. कुमार देवाशीष

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। मान्या डायग्नोस्टिक के डायरेक्टर और रेडियोलॉजिस्ट डॉ. कुमार देवाशीष मानते हैं कि हेल्थकेयर केवल चिकित्सा सेवा तक सीमित नहीं बल्कि प्रभावी लीडरशिप और मजबूत मैनेजमेंट विजन का परिणाम है। लीडरशिप अनुभव को वे एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल बताते हैं उनका कहना है कि मेडिकल और हेल्थकेयर क्षेत्र में न सिर्फ क्लिनिकल पहलुओं पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए है एक संस्थान प्रमुख को मैनेजर के रूप में भी उतनी ही स्पष्टता के साथ सोचना होता है। बिताए समय ने उनके कई अहम विषयों को स्पष्ट किया। सबसे पहले उनका लॉन्ग टर्म विजन साफ हुआ इसके साथ ही यह समझ बनी कि सेवाओं को और बेहतर कैसे किया जाए, क्या नई सुविधाएं जोड़ी जाएं और संस्था को किस प्रकार व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया जाए। सोशल मीडिया मार्केटिंग पर हुए सत्रों ने उन्हें ब्रांडिंग और डे टू डे मैनेजमेंट में इसके प्रभावी उपयोग का नया दृष्टिकोण दिया एआई को लेकर वे मानते हैं कि यह हेल्थ सेक्टर में सहयोगी भूमिका निभाएगा, प्रतिस्थापन नहीं।युवाओं के लिए वे तार्किक सोच, संवेदनशीलता और पेशेंट फर्स्ट अप्रोच को मजबूत नेतृत्व की आधारशिला बताते हैं।

खड़गवां के विभिन्न ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंकिता सोम के निर्देशानुसार जनपद पंचायत खड़गवां के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों और श्रमिकों को शासकीय योजनाओं की जानकारी देना तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों के सरपंच, पंच, रोजगार सहायक, मेट तथा कार्यस्थल पर उपस्थित श्रमिकों की सक्रिय सहभागिता रही कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों और ग्रामीणों को विकसित भारत राम से संबंधित जानकारी दी गई।

साथ ही उन्हें क्यूआर कोड स्कैन करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया, ताकि वे शासन की विभिन्न योजनाओं, नवीन प्रावधानों और सुविधाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि डिजिटल माध्यमों के जरिए वे योजनाओं से जुड़ी जानकारी घर बैठे भी प्राप्त कर सकते हैं इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को अपने आवास निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को योजना के नियमों, पात्रता तथा मिलने वाले लाभों की जानकारी देते हुए समय पर निर्माण कार्य पूर्ण करने का आग्रह किया ताकि पात्र परिवारों को जल्द से जल्द पक्के घर का लाभ मिल सके। रोजगार दिवस के दौरान श्रमिकों को मनरेगा के तहत उपलब्ध रोजगार के अवसरों, मजदूरी भुगतान प्रक्रिया तथा कार्यस्थल पर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

इससे श्रमिकों में जागरूकता बढ़ी और उन्होंने योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की इच्छा जताई। इस आयोजन के माध्यम से ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया तथा शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई ग्रामीणों ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे उपयोगी बताया।

काम के दौरान खंभे से गिरा युवक ; ठेकेदार पर दो माह का वेतन रोकने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास थाना क्षेत्र में विद्युत कार्य के दौरान एक युवक को करंट लग गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया यह युवक पिछले 40 दिनों से कोमा में है पीड़ित परिवार ने ठेकेदार पर लापरवाही से काम करवाने, इलाज का खर्च न उठाने और दो माह का वेतन रोकने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम नोहरीकलां चक्क निवासी धर्मेंद्र कुशवाह ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि उनका छोटा भाई दीपक कुशवाह पिछले दो वर्षों से संतुष्टि ए.बी. रोड, शिवपुरी निवासी विद्युत ठेकेदार नरेंद्र जाट के साथ बिजली का काम कर रहा था। धर्मेन्द्र के अनुसार यह घटना 25 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 3 बजे हुई। ठेकेदार के निर्देश पर उसके सहयोगी रामवीर जाट, अखिलेश पंडित और आनंद शर्मा बदरवास फोरलेन पर दीपक से विद्युत कार्य करवा रहे थे इसी दौरान अचानक करंट लगने से दीपक खंभे से नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने बताया कि घटना के बाद ठेकेदार और उसके सहयोगियों ने इलाज कराने का भरोसा दिया था जिसके कारण उस समय पुलिस में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई। 40 दिनों से कोमा में युवक दीपक का इलाज पहले शिवपुरी और फिर ग्वालियर में कराया गया लेकिन लगभग 15 दिन बाद ठेकेदार और उसके साथी इलाज की जिम्मेदारी छोड़कर चले गए परिवार के मुताबिक दीपक पिछले 40 दिनों से कोमा में है उसके इलाज में अब तक करीब 6 लाख रुपए खर्च हो चुके हैं जिसके लिए उन्हें अपना प्लॉट तक बेचना पड़ा है। इसके अतिरिक्त दीपक और उसके भाई छोटू का दो माह का वेतन भी अभी तक नहीं दिया गया है पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से इस मामले की जांच कर संबंधित ठेकेदार और उसके सहयोगियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उन्हें न्याय दिलाने की मांग की है।

जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

विद्यार्थियों ने जीवंत किया लोकतांत्रिक माहौल, तर्कपूर्ण बहस से दिखाई नेतृत्व क्षमता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और नेतृत्व क्षमता के विकास के उद्देश्य से सेजस स्कूल मनेन्द्रगढ़ में जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता 2026 का गरिमामय आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मीरे के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के तीनों विकासखंड मनेन्द्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने लोकसभा की कार्यवाही का प्रभावशाली मंचन करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जीवंत झलक प्रस्तुत की विद्यार्थियों ने लोकसभा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, मंत्रीमंडल के सदस्य और सांसदों की भूमिका निभाते हुए सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तर्कपूर्ण बहस और संवाद का प्रभावी प्रदर्शन किया कार्यक्रम में शपथ ग्रहण, प्रश्नकाल, शून्यकाल, संविधान संशोधन तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा जैसी संसदीय प्रक्रियाओं का सजीव चित्रण किया गया विद्यार्थियों की प्रभावशाली वक्तृत्व शैली, तार्किक प्रस्तुति और आत्मविश्वास ने उपस्थित जनों को काफी प्रभावित किया इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मीरे ने कहा कि युवा संसद जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को लोकतंत्र की कार्यप्रणाली से परिचित कराने के साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करते हैं उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम के दौरान युवा सांसद का प्रतिनिधित्व कर चुके शिवम जायसवाल से मोबाइल के माध्यम से विद्यार्थियों की बातचीत भी कराई गई। इस संवाद ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की प्राचार्य अर्चना वैष्णव सहित जे.एल. भास्कर, सूर्योदय सिंह, गौरव त्रिपाठी, नीलम दुबे, मनीषा तिवारी, इरफान खान, सरिता मिश्रा, आराधना एक्का, शिव चौधरी और सुरुचि नमिता पाण्डेय का सराहनीय योगदान रहा।

मगरमच्छ के बच्चे का कुचला शव; वन विभाग ने शुरू की जांच

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। गुना बायपास पर शनिवार सुबह एक मगरमच्छ का बच्चा अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया इस दुर्घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई घटना वैशाली गार्डन के पास हुई। राहगीरों ने सुबह सड़क पर मगरमच्छ के बच्चे का कुचला हुआ शव देखा उन्होंने शव को सड़क से हटाकर किनारे किया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वन विभाग को जानकारी दी। इसके बाद वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ के शव को अपने कब्जे में लिया। मौत के कारणों की पुष्टि के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। घटनास्थल के आसपास खेत और पेड़-पौधे हैं आशंका है कि मगरमच्छ का बच्चा इन्हीं क्षेत्रों से निकलकर सड़क पर आया होगा और किसी भारी वाहन की चपेट में आ गया।

चलती कार में युवकों की स्टंटबाजी... खिड़की से बाहर निकलकर करते रहे करतब

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। सिरगिट्टी इलाके में चलती कार में स्टंट करने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि यह सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के तिफरा इलाके के ष्ठ सेक्टर का है युवक तेज रफ्तार कार में खतरनाक करतब करते नजर आ रहे हैं। वायरल में साफ दिखाई दे रहा है कि कार में सवार युवक खिड़की से बाहर निकलकर स्टंट कर रहे हैं चलती गाड़ी में इस तरह जान जोखिम में डालकर करतब किए जा रहे हैं पीछे चल रही दूसरी कार में सवार एक व्यक्ति ने पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया जिसके बाद यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर फैल गया बताया जा रहा है कि जिस कार में युवक स्टंट कर रहे थे वह दुर्ग जिले की पासिंग नंबर की है। कोर्ट के निर्देश और पुलिस की सख्ती के बाद भी स्टंटबाजी करने वाले युवक बाज नहीं आ रहे हैं। इस तरह के वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

टाइगर और जलीव जीवों को जहरीले पानी का खतरा

वन बल प्रमुख की चिट्ठी , शाख्यासागर तालाब का पानी शुद्ध करने मे तेजी से करें काम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। एक ओर राज्य सरकार प्रदेश में वन्य जीवों की सुरक्षा और उनकी आबादी को लेकर गंभीर है दूसरी ओर अफसरों की लापरवाही के चलते माधव टाइगर रिजर्व में मौजूद टाइगर और अन्य वन्य जीवों का जहरीले पानी से खतरा बना हुआ है इस मामले में वन विभाग की सख्ती के बाद भी कोई एक्शन नहीं हो पाया है और वन बल प्रमुख ने एक बार फिर वन्य और जलीय जीवों के लिए खतरा बन रहे शाख्यासागर तालाब के शुद्धिकरण के लिए पत्र लिखा है। मध्यप्रदेश के माधव टाइगर रिजर्व के तहत आने वाले शाख्यासागर तालाब (चांदपाठा) में बढ़ते प्रदूषण को लेकर वन विभाग ने गंभीर चिंता जताई है। इसको लेकर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख ने अधिकारियों को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि पिछले कुछ सालों से शिवपुरी शहर का प्रदूषित सीवेज पानी बिना उपचार के तालाब में छोड़ा जा रहा है इसके कारण तालाब में जलकुंभी तेजी से फैल गई है और इससे जलीय जीव-जंतुओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

दो साल पहले पाया था गंभीर प्रदूषणः वन विभाग के अनुसार जुलाई 2024 में निरीक्षण के दौरान इस समस्या को गंभीर पाया गया था और नगर पालिका शिवपुरी से प्रदूषण रोकने के लिए संपर्क करने के निर्देश भी दिए गए थे यह स्थिति न केवल वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 35(6) का उल्लंघन है बल्कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 का भी उल्लंघन माना जा रहा है पूर्व बन बल प्रमुख वीएन अंबाड़े ने रिटायरमेंट के पहले प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव, मुख्य वन्य जीव अभिरक्षक और अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक चीता प्रोजेक्ट से संबद्ध अफसरों को लिखे पत्र में कहा है कि 29 अगस्त 2024 को आयोजित बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा कर प्रदूषण रोकने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए थे लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। फिलहाल दो मशीनों के माध्यम से केवल जलकुंभी हटाने का काम किया जा रहा है जिससे समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है।

शाख्यासागर तालाब को 2021 से रामसर साइट का दर्जा प्राप्तः वन विभाग ने यह भी उल्लेख किया है कि शाख्यासागर तालाब को वर्ष 2021 से रामसर साइट का दर्जा प्राप्त है, इसलिए इसका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। यह तालाब माधव टाइगर रिजर्व के वन्यजीवों, मगरमच्छों, मछलियों और अन्य जलीय जीवों के लिए महत्वपूर्ण जलस्रोत है वन बल प्रमुख ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं किया गया तो भविष्य में गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है इसलिए संबंधित विभागों से तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है।

सारागांव-सक्ती रेल लाइन का सफल हाई-स्पीड ट्रायल: नई लाइन पर अब स्पीड से दौड़ेंगी ट्रेनें

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। सारागांव देवरी-बाराद्वार-जेठा-सक्ती के बीच 22.2 किलोमीटर लंबी नई विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन का निर्माण पूरा हो गया है दक्षिण पूर्व सर्किल के आयुक्त, रेलवे सेफ्टी बीके मिश्रा ने पिछले दो दिनों में इस नई रेल लाइन का निरीक्षण किया इस दौरान सारागांव देवरी स्टेशन के पास ओएमएस कोच से हाई-स्पीड ट्रायल भी सफलतापूर्वक किया गया आयुक्त रेलवे सेफ्टी बीके मिश्रा ने 5 और 6 मार्च को रेल लाइन का विस्तृत निरीक्षण किया 5 मार्च को निरीक्षण की शुरुआत सारागांव देवरी स्टेशन से हुई यहां उन्होंने स्टेशन के केबिन, पैनल रूम और यार्ड का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों से तकनीकी जानकारी ली। इसके बाद आयुक्त ने अपनी टीम के साथ सारागांव देवरी-बाराद्वार-जेठा-सक्ती के बीच नई चौथी लाइन का मोटर ट्रॉली से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान इंटरलॉकिंग सिस्टम, प्वाइंट और क्रॉसिंग, ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन यवस्था, पुल-पुलिया, समपार फाटक और सिग्नलिंग उपकरणों सहित सुरक्षा और संचालन से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की गई। बिलासपुर मंडल में नई रेल लाइनों के निर्माण, दोहरीकरण, तृतीय और चतुर्थ रेल लाइन परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है।

महिला सशक्तिकरण में छत्तीसगढ़ का योगदान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष भावना के साथ महिला सशक्तिकरण की नई पहचान बना जिला एमसीबी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं बल्कि महिलाओं के अधिकार, सम्मान और उनकी उपलब्धियों को पहचान देने का महत्वपूर्ण अवसर है वर्ष 2026 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की मुख्य वैश्विक अभियान थीम (पाने के लिए देना) रखी गई है इस थीम का मूल संदेश यह है कि जब समाज महिलाओं को शिक्षा, अवसर, संसाधन और सहयोग प्रदान करता है तो इसका लाभ पूरे समाज और राष्ट्र को मिलता है महिलाओं को सशक्त बनाना वास्तव में एक समृद्ध और संतुलित समाज की आधारशिला है। महिला सशक्तिकरण को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं राज्य सरकार ने महिलाओं के सम्मान, स्वावलंबन और सामाजिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 2026 को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है यह निर्णय केवल प्रतीकात्मक नहीं है बल्कि महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक व्यापक पहल है राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाएं आर्थिक सहायता प्राप्त कर रही हैं इस योजना ने महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनमें आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की भावना को भी मजबूत किया है। ड़गवां की अध्यक्ष श्याम बाई मरकाम, जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ की जानकीबाई खुसरो, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव तथा नगर पंचायत झगराखांड़ की अध्यक्ष ललिता यादव जैसी महिला जनप्रतिनिधि अपने नेतृत्व और समर्पण से जिले के विकास को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया है कि जब महिलाओं को अवसर मिलता है तो वे समाज और प्रशासन दोनों स्तरों पर प्रभावी नेतृत्व प्रदान कर सकती हैं।

समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिकाः जिले की महिलाएं केवल प्रशासन और राजनीति तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा और आर्थिक गतिविधियों जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं।

वैभवी ने किया टॉप, किसान की बेटी दर्शना बनेगी आइपिएस छत्तीसगढ़ के 7 युवाओं ने मारी बाजी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। सिविल सर्विस एग्जाम 2025 का फाइनल रिजल्?ट जारी कर दिया है छत्तीसगढ़ के 7 युवाओं ने इस परीक्षा में बाजी मारी है इनमें रायपुर से वैभवी अग्रवाल, रौनक अग्रवाल और संजय डहरिया शामिल हैं। गुढ़ियारी की रहने वाली वैभवी अग्रवाल ने 35वीं रैंक हासिल की है ये उनका तीसरा प्रयास था। वहीं के जनकपुर की दर्शना सिंह बघेल को दूसरे प्रयास में 383वीं रैंक मिली हैवे आईपीएस बनेंगी वैभवी और दर्शना दोनों इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से हैं धमतरी जिले के डीएसपी डायमंड सिंह को 623 रैंक मिली है वे छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस सेवा के 2024 बैच के अधिकारी हैं वहीं, रायगढ़ जिले के संबलपुरी में रहने वाले अजय गुप्ता भी 452 रैंक के साथ चयनित हुए हैं बलरामपुर के विपुल गुप्ता 103वीं रैंक पर है।

खेत में किसान की चाकू मारकर हत्या

स्प्रिंकलर नोजल चुराने आए बदमाशों ने किया हमला, बचाने पहुंचे बेटे को भी पीटा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के ग्राम कुमरई में खेत में पानी देने गए वृद्ध किसान की हत्या कर दी गई। हत्या के आरोपी खेत में लगी स्प्रिंकलर नोजल चुराने के लिए आए थे। मौके पर पिता को बचाने पहुंचे बेटे के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की और फरार हो गए। वारदात सामने आते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, श्यामलाल कुर्मी उम्र 70 साल निवासी कुमरई शुक्रवार रात अपने खेत पर पानी देने के लिए गए थे। जहां आराम करने के लिए वह लेट गए। इसी दौरान अज्ञात बदमाश खेत पर पहुंचे। आहट आने पर वह जाग गए। उन्होंने चॉर्ज जलाई और आवाज लगाकर पूछा कि कौन है जवाब में कुछ नहीं बोला गया। जिसके बाद बदमाश जाने लगे। इसी दौरान उन्होंने

श्यामलाल को पकड़ लिया। मारपीट करने लगे। तभी पड़ोस के खेत से गुजर रहे युवक ने श्यामलाल के बेटे महेश कुर्मी को मामले की सूचना दी। महेश तत्काल खेत पहुंचा। जहां देखा कि 5 से 6 बदमाश पिता श्यामलाल को पकड़कर गंगाजोर की ओर लेकर जा रहे थे। उनका पीछा किया। उन्होंने रास्ते में श्यामलाल के साथ मारपीट की और छाती पर चाकू मार दिया। बीचबचाव करने के लिए महेश पहुंचा तो उसके साथ भी मारपीट की। आरोपी मौके से फरार हो गए।तत्काल खेत पर पहुंचा तो देखा कुछ लोग पिताजी को पकड़े हैं और गंगाजोर की ओर ले जा रहे थे।

वारदातस्थल से जुटाए आरोपियों से जुड़े साक्ष्य : वारदात में गंभीर घायल श्यामलाल को गढ़ाकोटा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। वारदातस्थल पर पुलिस ने एफएसएल टीम के साथ पहुंचकर आरोपियों से जुड़े साक्ष्य जुटाए। महेश कुर्मी की शिकायत पर अज्ञात 6 आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच में लिया है।

मैं पहुंचा तो बदमाश पिता से मारपीट कर रहे थे : मृतक के बेटे महेश कर्मी ने बताया कि मुझे गांव के लड़के ने फोन लगाकर बताया था कि तुम्हारे खेत पर शोर हो रहा है। मैं तत्काल खेत पर पहुंचा तो देखा कुछ लोग पिताजी को पकड़े हैं और गंगाजोर की ओर ले जा रहे थे। उन्होंने पिताजी से मारपीट शुरू कर दी। मैं बचाने पहुंचा तो उन्होंने मेरे साथ भी मारपीट की।

मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रहे : एसडीओपी प्रकाश मिश्रा ने बताया कि कुमरई गांव में 70 वर्षीय किसान की खेत में हत्या की गई है। शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगाई गई हैं। वारदात से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

2 लाख चुराकर भागते चोर का पीछा किया, छोड़कर भागा:नर्मदापुरम में दिनदहाड़े बाजार क्षेत्र में वारदात

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में एसएनजी स्टेडियम के पास खड़ी बुलेरो गाड़ी में रखे किसान के 2 लाख रुपए निकालकर एक चोर भाग गया। किसान ने युवक को गाड़ी से रुपए निकालकर जाते देख लिया। तुरंत उन्होंने चोर-चोर करके आवाज लगाई और उसका पीछा किया। बदमाश रुपए सड़क पर फेंककर भाग गया। सूचना पर कोतवाली थाने से पुलिस स्टॉफ मौके पर पहुंचा। बड़ी बालाभेंट निवासी मुकेश कीर ने बताया उनके परिवार में 12 मार्च को शादी है। बुदनी रोड स्थित एक गार्डन बुक करने रुपए जमा करने थे। मीनाक्षी चौक के पास बैंक आफ बड़ौदा से रुपए निकाले। रुपए के बंडल को गमछे में लपेट कर कार की डिक्की में रखे। इसके बाद वे चावल के दाम पता करने एसएनजी स्टेडियम के पास सीएमओ बंगले के सामने एक दुकान पर पहुंचे। तभी एक बदमाश ने उनकी कार का गेट खोलकर रुपए निकाल लिए। इसी बीच गाड़ी की तरफ देख तो एक युवक गाड़ी का गेट बंद कर जाने लगा। मुकेश ने चिल्लाते हुए बदमाश के पीछे दौड़े। उसे जैसे ही 50 फीट की दूरी पर पकड़ा वह रुपए सड़क पर फेंककर भाग गया। उसकी चप्पल वहां छूट गई। लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने आसपास देखा। सीसीटीवी फुटेज खंगाले। लेकिन ऐसे कोई संदिग्ध नजर नहीं आएं। एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बताया एक गाड़ी से रुपए निकालकर भागने की एक बदमाश ने कोशिश की थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल की घटना की जांच हो रही है। सीसीटीवी फुटेज सामने नहीं आए हैं। मामले में शिकायत नहीं आई है।

बुरहानपुर के दरियापुर में सेंट्रल जीएसटी का सर्वे:बिल्डिंग मटेरियल शॉप पर देर रात तक चली जांच

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के दरियापुर स्थित लक्ष्मीधाम बिल्डिंग मटेरियल शॉप पर शुक्रवार शाम सेंट्रल जीएसटी का सर्वे शुरू किया गया। यह कार्रवाई देर रात तक जारी रही। खंडवा से सेंट्रल जीएसटी की एक टीम, जिसमें 10 से अधिक अधिकारी शामिल थे, सर्वे के लिए पहुंची। टीम ने दुकान के दस्तावेजों की गहन जांच की। कार्रवाई के चलते अधिकारियों ने देर रात तक मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। बुरहानपुर वाणिज्यिककर विभाग के सहायक आयुक्त यूसुफ खान ने बताया कि खंडवा से आई सेंट्रल जीएसटी की टीम ने दरियापुर स्थित बिल्डिंग मटेरियल शॉप पर सर्वे शुरू किया है। उन्होंने आगे कहा कि इस संबंध में अधिकृत जानकारी सेंट्रल जीएसटी के अधिकारी ही देंगे। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले बुरहानपुर की टीम ने नेपानगर में एक बिल्डिंग मटेरियल व्यापारी के यहां भी सर्वे किया था। हालांकि अधिकारियों ने इसकी जानकारी लंबे समय तक सार्वजनिक नहीं की थी। इससे पूर्व बुरहानपुर में दो अन्य फर्मों पर भी कार्रवाई की गई थी, लेकिन उनमें कितनी कर चोरी पाई गई, यह जानकारी भी सार्वजनिक नहीं की गई। तब इंदौर से आए अधिकारियों ने बताया था कि प्रकरण तैयार कर बुरहानपुर वाणिज्यिक कर कार्यालय भेजा जाएगा, लेकिन स्थानीय स्तर पर आज तक कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। वहीं अब दरियापुर में चल रहे इस सर्वे के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि यहां कर अपवंचन मिलता है या नहीं।

युवक का शव पेड़ पर लटका मिला:छतरपुर में भानु अहिरवार के रूप में पहचान

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर शहर के बड़ी बगराजन माता मंदिर के सामने शनिवार को एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान राजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम प्रतापपुर विला निवासी भानु अहिरवार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने सुबह पेड़ से लटके शव को देखा, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि युवक ने मंदिर के सामने लगे पेड़ पर रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या की। सिटी कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। लेकिन पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि युवक द्वारा यह कदम उठाने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। परिजनों और परिचितों से पूछताछ की जा रही है।

मंदसौर में कार की टक्कर से जूनियर वकील की मौत छह माह की बेटी का पिता था

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के कोर्ट क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में जूनियर एडवोकेट मनीष दास बैरागी पिता चंद्रप्रकाश बैरागी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कोर्ट की घाटी के पास स्थित मछली मार्केट के नजदीक एक अज्ञात कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उन्हें सिर, मुंह और कमर में गंभीर चोटें आई, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय मंदसौर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बाजार से कोर्ट लौटते समय हादसा: जानकारी के अनुसार मृतक एडवोकेट मनीष बैरागी मूल रूप से मंदसौर जिले के ढाबला के निवासी थे। वे कोर्ट से निजी काम से बाजार की ओर गए थे और वापस कोर्ट जा रहे थे, तभी कोर्ट की घाटी के नीचे मछली मार्केट के पास यह हादसा हो गया। दुर्घटना को अंजाम देने वाली कार का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। उन्हें सिर, मुंह और कमर में गंभीर चोटें आई, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय मंदसौर ले जाया गया, पुलिस के अनुसार अज्ञात वाहन चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर के आधार पर वाहन की तलाश कर रही है।

6 महीने के बेटी के पिता थे मनीष : एएसआई अभिषेक पाल ने बताया कि जूनियर एडवोकेट मनीष बैरागी कोर्ट से निजी काम से बाजार की ओर गए थे और वापस कोर्ट जा रहे थे। इसी दौरान कोर्ट की घाटी के पास एक कार से उनका एक्सीडेंट हो गया, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आई और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। परिजन उन्हें जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मामले की विवेचना जारी है और टक्कर मारने वाली कार की तलाश की जा रही है। मृतक के परिवार की स्थिति बेहद मार्मिक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मनीष बैरागी की एक 6 महीने की बेटी है, वहीं उनकी मां का देहांत तब ही हो गया थी।

आजमगढ़-बांद्रा टर्मिनस के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखकर वेस्टर्न रेलवे रतलाम मंडल से होकर आजमगढ़ से बांद्रा टर्मिनस के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे लगाएगी। इस ट्रेन का रतलाम, नागदा में स्टॉपेज रहेगा।

गाड़ी संख्या 05183 आजमगढ़-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 7 एवं 14 मार्च शनिवार को आमजगढ़ से 23.15 बजे चलेगी। सोमवार को 8.10 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम मंडल के नागदा (21.45/21.50, रविवार) एवं रतलाम (22.45/22.50) बजे आगमन/प्रस्थान होगा। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 05184 बांद्रा टर्मिनस-आजमगढ़ स्पेशल 9 एवं 16 मार्च सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 10.45 बजे चलकर रतलाम (20.45/20.50, सोमवार) एवं नागदा (21.55/22.00) बजे होते हुए मंगलवार को 20.10 बजे आजमगढ़ पहुंचेगी।

यहां रहेगा स्टॉपेज : रतलाम रेल मंडल जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में मुहम्मदाबाद, मऊ, दुल्लहपुर, औंडिहार, वाराणसी, बनारस, ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज, गोविंदपुरी, टूण्डला, ईदगाह आगरा, बयाना, गंगापुर सिटी, कोटा, नागदा, रतलाम, वडोदरा, सूरत एवं बोरीवली स्टेशनों पर स्टॉपेज दिया है।

सीहोर में दिन और रात के तापमान में दोगुना अंतरदिन का तापमान 37 ℃ पहुंचा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर दर्ज किया गया है। बुधवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे दिन में गर्मी का एहसास हो रहा है, वहीं रात में अभी भी हल्की ठंड बरकरार है। जिले में दिन और रात के तापमान में दोगुने से भी अधिक का अंतर देखने को मिल रहा है। यह लगातार दूसरा दिन है जब अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस था। उल्लेखनीय है कि ठंड के मौसम के बाद यह लगातार दूसरी बार है जब अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचा है। इससे पहले अधिकतम तापमान लगातार 20 से 29

डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ था। होली के बाद से अचानक गर्मी की शुरुआत हो गई है। जानकारी के अनुसार, पिछले सवा दो महीनों में जिले में मौसम के चार अलग-अलग रंग देखने को मिले हैं। जनवरी में कड़ाके की ठंड थी, जबकि फरवरी में ठंड, गर्मी और बारिश तीनों मौसम का अनुभव हुआ। अब मार्च महीने में अधिकतम तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे लोगों को गर्मी की दस्तक महसूस होने लगी है। शासकीय कृषि कॉलेज स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि अब धीरे-धीरे अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज होगी। इस समय कोई भी पश्चिमी विक्षोभ या केंद्रीय चक्रवाती सिस्टम सक्रिय नहीं है।

हरदा में करंट लगने से 45 वर्षीय मजदूर की मौत खेत में पानी की मोटर लगाते समय हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, हरदा (निप्र)। हरदा सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम सुखरास में शनिवार सुबह करीब ग्यारह बजे करंट लगने से एक 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम सुखरास निवासी मुकेश पिता केवलराम खोदरे (45) किसान सुनील पुनासे के खेत पर मजदूरी करता था। शनिवार सुबह करीब 11 बजे वह खेत के पास बहने वाले नाले में मूंग की फसल के लिए पानी की मोटर लगा रहा था। इसी दौरान उसे हाथों की उंगलियों और पैरों में करंट लग गया।

करंट का झटका लगने से मुकेश पानी में गिर गया। घटना के समय उसका छोटा भाई गोलू भी वहीं मौजूद था, जो बोल पाने में

असमर्थ है। गोलू दौड़कर गांव गया और ग्रामीणों को बुलाकर लाया। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, मुकेश की मौत हो चुकी थी।

उसे तत्काल एक निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे अमन ने बताया कि वह दो भाई हैं, जिसमें छोटा भाई 14 साल का है। पुलिस ने परिजनों और खेत मालिक के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

सिवनी में नदी से मिला 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव

ग्रामीणों ने दी पुलिस को सूचना; एक दिन पहले से था लापता

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुड़वारी के समीप नदी में 60 बुजुर्ग का शव मिला है। यह घटना शनिवार सुबह लगभग 11 बजे सामने आई। सूचना मिलने के बाद घंसौर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर जांच शुरू कर दी है। बुजुर्ग एक दिन पहले शाम से घर से लापता था। जानकारी के अनुसार, ग्राम कुड़वारी के पास नदी किनारे से गुजर रहे कुछ ग्रामीणों ने नदी में एक शव देखा। पहले उन्हें कुछ समझ नहीं आया, लेकिन करीब जाकर देखने पर पता चला कि वह एक व्यक्ति का शव है। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना घंसौर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही घंसौर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर भेज दिया। पुलिस की

प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान हरि सिंह (60 वर्ष) के रूप में हुई है।

हालांकि, वृद्ध की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह कोई दुर्घटना है, आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा : इस संबंध में घंसौर थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह झारिया ने बताया कि उन्हें नदी में एक वृद्ध का शव मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाया है और मर्ग कायम कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा। परिजनों ने बताया है कि बुजुर्ग एक दिन पहले शाम से घर से लापता था। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्य सामने आ सकें। लेकिन करीब जाकर देखने पर पता चला कि वह एक व्यक्ति का शव है। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना घंसौर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही घंसौर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

ग्रामीणों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर भेज दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान हरि सिंह (60 वर्ष) के रूप में हुई है।

युवती को अगवा कर कॉलेज परिसर में गैंगरेप

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक 20 वर्षीय युवती से सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना 19 फरवरी की है, जिसका खुलासा पीड़िता की तबीयत बिगड़ने के बाद हुआ। डबरा देहात थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस फिलहाल आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार, डबरा देहात क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती 10 फरवरी को अपनी बुआ के घर गई थी। 19 फरवरी की रात करीब 8 बजे जब वह पास ही में टिक्की खाने गई, तभी टमटम (ई-रिक्शा) सवार दो युवकों ने उसका मुंह दबाकर उसे जबरन बैठा लिया। रास्ते में उन्होंने अपने एक और साथी को साथ लिया और युवती को 'अरु तिराहा' स्थित एक कॉलेज परिसर में ले गए। वहां तीनों ने बारी-बारी से युवती के साथ दुष्कर्म किया।

फॉर्म में बल्लेबाज, गेंदबाजी चिंता का विषय

जानिए फाइनल के लिए कितनी तैयार टीम इंडिया?

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम इतिहास रचने से सिर्फ एक कदम दूर खड़ी है। टी20 विश्व कप के खिताबी मुकाबले में भारत की भिड़ंत न्यूजीलैंड से 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में होनी है।

भारतीय बल्लेबाज टूर्नामेंट में अच्छी लय में दिखाई दिए हैं, लेकिन गेंदबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए फाइनल से पहले चिंता का सबब बन गया है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा है। अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म के बावजूद भारतीय टीम अहम मुकाबलों में बड़ा टोटल खड़ा करने में सफल रही है। संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए अपनी काबिलियत को साबित करके दिखाया है। संजू इस टूर्नामेंट में खेले 4 मुकाबलों में 201 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 232 रन बना चुके हैं। ईशान किशन भी अच्छी लय में दिखाई दिए हैं और उन्होंने 8 मुकाबलों में 189 के स्ट्राइक रेट से 263 रन बनाए हैं। हालांकि, अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। 7 पारियों में अभिषेक सिर्फ 89 रन ही बना सके हैं, जिसमें से 55 रनों की पारी उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ ही खेली थी। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 8 मैच में 242 रन जरूर बनाए हैं, लेकिन अहम मौके पर वह टीम को मझधार में छोड़कर पवेलियन लौटे हैं। सूर्या का स्ट्राइक रेट भी सवालों के घेरे में रहा है। तिलक वर्मा के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने का फैसला भारतीय टीम के हित में गया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ 15 गेंदों में 27 रन बनाने के बाद सेमीफाइनल में भी बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 7 गेंदों में 21 रन बनाए। तिलक बतौर फिनिशर टीम इंडिया के लिए तुरुप का इक्का साबित हो रहे हैं। हार्दिक पांड्या ने बल्ले और गेंद दोनों से अपने काम को बखूबी अंजाम दिया है। बल्लेबाजी में हार्दिक ने 8 मुकाबलों में 163 के स्ट्राइक रेट से 199 रन बनाए हैं, जबकि गेंदबाजी में भी वह 8 विकेट निकाल चुके हैं। हालांकि, अक्षर पटेल उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने हर बड़े मुकाबले में अपनी उपयोगिता साबित की है।

7 मुकाबलों में 10 विकेट चटकाने के साथ-साथ बुमराह ने सिर्फ 6.62 की इकोनॉमी से रन खर्च किए हैं। अर्शदीप सिंह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। 7 मुकाबलों में अर्शदीप ने महज 9 विकेट निकाले हैं और उनका इकोनॉमी भी 8.53 का रहा है। अर्शदीप के लिए इस टूर्नामेंट में सबसे बड़ी दिक्कत यह रही है कि वह अच्छी टीमों के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए हैं। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने 4 ओवर में 51 रन खर्च किए थे। मोहम्मद सिराज के बेंच पर बैठे होने के बावजूद अर्शदीप को मौके पर मौके मिल रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से पहले वरुण चक्रवर्ती को टीम इंडिया का सबसे बड़ा मैच विनर बताया जा रहा था। हालांकि, वरुण ने भारतीय फैंस को अपने प्रदर्शन से खासा निराश किया है। वरुण बड़े मुकाबले और अच्छी टीमों के खिलाफ बुरी तरह से संघर्ष करते हुए नजर आए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में वरुण ने 4 ओवर में 64 रन दिए, जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ मिस्ट्री स्पिनर ने 40 रन खर्च करते हुए सिर्फ एक विकेट चटकाया था।वरुण के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम का उन पर अटूट भरोसा कायम नजर आया है। इंग्लैंड के खिलाफ वरुण के महंगे स्पेल की वजह से एक समय पर मुकाबला भारत के हाथ से फिसलता हुआ भी नजर आ रहा था। कुलदीप यादव जैसे अनुभवी गेंदबाज के होने पर भी वरुण को लगातार मौके देने का फैसला समझ से परे नजर आया है। यानी कुल मिलाकर अगर भारत को टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को लगातार दूसरी बार जीतकर इतिहास रचना है, तो फाइनल में कुछ कठिन फैसले लेने होंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताबी मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है।

इंग्लैंड के हेड कोच की भूमिका पसंद, जारी रखना चाहता हूं: ब्रेंडन मैकुलम

मुंबई, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है। इंग्लैंड को गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ हुए सेमीफाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड टीम के विश्व कप से बाहर होने से हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम निराश हैं, लेकिन वह इंग्लैंड की कप्तानी आगे भी जारी रखना चाहते हैं। मैच के बाद ब्रेंडन मैकुलम ने कहा, 'उन्हें इंग्लैंड टीम के हेड कोच की भूमिका बेहद पसंद है और वह इसे जारी रखना चाहते हैं। यह काम चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में टीम ने कई अच्छी उपलब्धियां भी हासिल की हैं। अभी भी इंग्लैंड टीम के पास सभी फॉर्मेट में काफी कुछ हासिल करने का मौका है। आने वाले समय में टीम को यह समझना होगा कि क्या चीजें सही काम कर रही हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है, ताकि भविष्य में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके।' ब्रेंडन मैकुलम इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बड़े टूर्नामेंटों में टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से दबाव में हैं। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए एशेज में इंग्लैंड को 1-4 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। टी20 विश्व कप 2026 में भी टीम को सेमीफाइनल से बाहर होना पड़ा है। इस हार के बाद से मैक्कुलम की रणनीतियों और कोचिंग शैली पर सवाल और तेज हो गए हैं। मैकुलम जब इंग्लैंड के टेस्ट कोच बने थे तो उनसे काफी उम्मीदें थीं। उन्होंने टीम में आक्रामक 'बैजबॉल' अप्रोच लागू की, जिसने शुरुआत में क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा। इस शैली में इंग्लैंड के बल्लेबाज तेजी से रन बनाने और विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। शुरुआती दौर में इस रणनीति को काफी सराहा गया, लेकिन समय के साथ इंग्लैंड को मजबूत टीमों के खिलाफ लगातार खराब नतीजे मिले। मैकुलम के नेतृत्व में इंग्लैंड अभी तक कोई बड़ा आईसीसी खिताब नहीं जीत सकी है।
एशेज सीरीज के बाद टी20 विश्व कप से इंग्लैंड के बाहर होने के बाद ब्रेंडन मैकुलम की कोचिंग को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्पोर्ट्स कार्निवल 2026

क्रिकेट, बैडमिंटन और टीटी मुकाबलों में दिखा उत्साह

द्वजयपुर, एजेंसी। शहर में जयपुर रीजनल चैप्टर के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय स्पोर्ट्स कार्निवल 2026 का आगाज़ शुक्रवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में जोश और उत्साह के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन एडवाइजर धीरज झामरिया; चेयरमैन, क्षितिज मनु; इमीडिएट पास्ट चेयरमैन, आशीष काला; चेयरमैन इलेक्ट, मनीष ठाकुर व टीम ओनर्स, तुलसी राम मोदी; शिव अग्रवाल, अंशुल मोदी और रिदम सुद्रानिया द्वारा किया गया। उद्घाटन में सेक्रेटरी, शिखा सिंह; अमित गोस्वामी, सुनील जैन और विवेक गुप्ता भी उपस्थित थे। पहले दिन, क्रिकेट, बैडमिंटन, टेनिस और टेबल टेनिस के मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। क्रिकेट के खेले गए तीन मैचों में तालुका फाइटर ने मंगल टाइटंस को, प्रिमार्क सुपर किंग ने तालुका फाइटर को, जबकि एल्फेन रॉयल्स ने वर्सेटाइल वाइकिंग्स को मात देकर मुकाबले अपने नाम किए। तीनों मैचों में खिलाड़ियों की बेहतरीन बल्लेबाजी और गेंदबाजी देखने को मिली। बैडमिंटन में वर्सेटाइल वाइकिंग्स ने लैंटर्न लीजेंड्स को, जबकि प्राइमरी सुपरकिंग्स ने मंगल टाइटंस को हराया। वहीं लैंटर्न लीजेंड्स और एल्फेन रॉयल्स का मुकाबला बराबरी पर रहा।

टेनिस प्रतियोगिता में सिंगल्स वर्ग में अंशुमान शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में युगांश देवरथ को 6-2 से हराकर खिताब जीता। इससे पहले अंशुमान शर्मा ने शालीन को 6-2 से हराया, जबकि युगांश देवरथ ने अभिनव चतुर्वेदी को 6-0 और केसरी नंदन शर्मा को 6-2 से मात दी थी। सिंगल्स में युगांश वर्ग में देवरथ उपविजेता रहे। डबल्स वर्ग में रितेश शर्मा और हर्षित अग्रवाल की जोड़ी ने फाइनल में अंशुमान शर्मा और गौरव माथुर को 6-4 से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। वहीं अंशुमान शर्मा और गौरव माथुर की जोड़ी रनर-अप रही। टेबल टेनिस टीम मुकाबलों में पूल-ए में तालुका टाइटंस ने अपने दोनों मुकाबले मंगल टाइटंस और प्रिमार्क सुपर किंग से 7 - 6 से जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। जबकि मंगल टाइटंस दूसरे स्थान पर रहा। पूल-बी में लैंटर्न लेजेंड्स ने वर्सटाइल वाइकिंग्स को 9-4 से और अल्फिन रॉयल्स को 7-6 से हराकर पूल-बी में पहला स्थान प्राप्त किया।

वरुण बनाम कुलदीप, फाइनल की प्लेइंग 11 के लिए कौन बड़ा दावेदार; न्यूजीलैंड के खिलाफ दोनों का प्रदर्शन साधारण

नई दिल्ली, एजेंसी। वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाजी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में काफी साधारण रही है। ऐसा लग रहा है जैसे विरोधी टीमों ने उनकी कमजोरी भांप ली है और उनकी गेंदों पर जमकर रन बन रहे हैं। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने भारतीय गेंदबाजों में सबसे ज्यादा रन दिए। वरुण ने 4 ओवर के स्पैल में 64 रन देकर एक सफलता हासिल की और जोस बटलर को आउट किया। इससे पहले भी वेस्टइंडीज के खिलाफ वरुण पिटे थे।

कुलदीप या वरुण, किसे मिलेगा मौका

अब वरुण की लगातार पिटाई के बाद क्रिकेट पंडितों का मानना है कि अहमदाबाद में होने वाले फाइनल मुकाबले के लिए भारतीय प्लेइंग इलेवन में रिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल किया जाए जो फिलहाल बेंच पर बैठे हैं। इस टी20 वर्ल्ड कप में कुलदीप यादव को सिर्फ एक ही मैच में यानी पाकिस्तान के खिलाफ कोलंबो में मौका दिया गया था और उस मैच में उन्होंने 3 ओवर में 14 रन देकर एक विकेट लिया था और ये प्रदर्शन खराब नहीं था। उसके बाद भारत वरुण के साथ आगे बढ़ता गया और वो पिटते गए।
कुलदीप को आजमाना बुरा विकल्प नहीं– अब सवाल ये है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले के लिए कुलदीप या वरुण में से किसे मौका दिया जाए। वैसे वरुण का जिस तरह का फॉर्म है उसके बाद ये भी सही है कि कुलदीप यादव को आजमाने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन क्या भारतीय टीम मैनेजमेंट अपनी विनिंग कांबिनेशन में बदलाव करेंगे। अहमदाबाद में कौन ज्यादा फायदेमंद टीम के लिए साबित होगा ये भी अहम होगा साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ दोनों का प्रदर्शन भी मायने रखता है।

ब्रेंडन मैकुलम से प्रेरणा लेती है टीम, कोच के रूप में उन्हें मेरा समर्थन: ब्रूक

मुंबई, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को भारत से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड की हार के बाद सबसे ज्यादा आलोचना का शिकार टीम के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम हैं। बतौर कोच मैकुलम के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। आलोचना के बीच ब्रेंडन मैकुलम को इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी ब्रूक का समर्थन मिला है। ब्रूक मैकुलम को इंग्लैंड का हेड कोच बनाए रखने के पक्ष में हैं। भारत के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के बाद हुए प्रेस कांफ्रेंस में हैरी ब्रूक ने कहा कि अगर ईसीबी ब्रेंडन मैकुलम को हेड कोच बनाए रखने के बारे में उनकी राय पूछेगी तो वह निश्चित रूप से उनके पक्ष में अपनी राय रखेंगे। ब्रूक ने कहा, 'जिस तरह से वह सबसे बात करते हैं, जिस तरह से ड्रेसिंग रूम में उनका एक औरा है, हर कोई उनसे प्रेरणा लेता है। पिछले चार सालों में उन्होंने जो कुछ किया है, उसने इंग्लिश क्रिकेट को उम्मीद दी है और बहुत कुछ अच्छा हुआ है। ' कप्तान का समर्थन कोच के रूप में ब्रेंडन मैकुलम के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। देखना होगा ईसीबी मैकुलम पर क्या फैसला लेती है। टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के सफर की शुरूआत निराशाजनक रही थी। ग्रुप स्टेज के पहले मैच में नेपाल के खिलाफ करीबी जीत के बाद टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड ने बिना कोई मैच गंवाए सुपर-8 में जगह बनाई। सुपर-8 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में भी इंग्लैंड हार जरूर गई, लेकिन लड़कर हारी। 254 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने 246 रन बना लिए थे। इसलिए टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से अच्छा रहा है।

'फेक बाबा', भारत के फाइनल में पहुंचने के बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने मोहम्मद आमिर की आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम के फाइनल में पहुंचने के बाद पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर की आलोचना की। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, 'कुछ लोगों को बेबुनियाद भविष्यवाणी करने की आदत होती है। अगर उनकी बात सही हो जाए तो वे इसे बड़ी उपलब्धि बताते हैं, लेकिन गलत होने पर उसे महज अंदाजा कहकर नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे लोग खुद को किसी समझदार बाबा की तरह पेश करते हैं, जबकि उनकी बातें अक्सर हकीकत से दूर होती हैं।' सिद्धू ने यह भी याद दिलाया कि आमिर ने पहले कहा था कि भारत सेमीफाइनल के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर पाएगा। आमिर ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका को आगे बढ़ने की भविष्यवाणी की थी, लेकिन भारत आगे आई, और दोनों टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

आमिर ने सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड की जीत का दावा किया था, लेकिन वह भी गलत साबित हुआ।

नवजोत सिंह सिद्धू ने मोहम्मद आमिर को 'फेक बाबा' कहा। दरअसल, सेमीफाइनल मुकाबले से पहले आमिर ने भविष्यवाणी की थी कि भारत टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा और फाइनल में दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्ट इंडीज के पहुंचने की संभावना जताई थी। हालांकि, टूर्नामेंट के नतीजे उनकी भविष्यवाणी के बिल्कुल उलट रहे। दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार गया, जबकि भारत ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बना ली। इसी वजह से नवजोत सिंह सिद्धू ने मोहम्मद आमिर की आलोचना की। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की जीत के बाद आमिर ने कहा कि पूरे टूर्नामेंट के बाद भारत ने इस मैच में बेहतरीन क्रिकेट खेला और उसे इसका श्रेय मिलना चाहिए। दोनों टीमों के बीच असली अंतर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तेज गेंदबाजी रही। आमिर ने माना कि अगर सैमसन का कैच पकड़ लिया जाता, तो मैच का नतीजा अलग भी हो सकता था।

पिंक बॉल टेस्ट के पहले दिन गिरे 13 विकेट

भारत के खिलाफ मजबूत स्थिति में ऑस्ट्रेलिया

पर्थ, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच एकमात्र टेस्ट मैच वाका के मैदान पर खेला जा रहा है। शुक्रवार को पिंक बॉल टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 3 विकेट खोकर 96 रन बना लिए हैं। इससे पहले भारत की पूरी टीम 198 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम इंडिया की ओर से जेमिमा रोड्रिग्स ने सर्वाधिक 52 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत पहली पारी में अच्छी नहीं रही। जॉर्जिया वॉल सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हुई। वहीं, फोएबे लिचफील्ड भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 9 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान एलिसा हीली भी 27 गेंदों का सामना करने के बाद 13 रन बनाकर सयाली सतघरे का शिकार बनीं। हालांकि, एलिसा पेरी बेहतरीन लय में दिखाई दीं और उन्होंने 7 चौके लगाए। दिन का खेल खत्म होने तक पेरी 62 गेंदों का सामना करने के बाद 43 रन बनाकर क्रीज पर डटी हुई हैं। वहीं, एनाबेल सदरलैंड 20 रन बनाकर पेरी का साथ निभा रही हैं। भारत की ओर से गेंदबाजी में सयाली सतघरे ने 2 विकेट चटकाए, जबकि क्रांति गौड़ ने एक विकेट निकाला। ऑस्ट्रेलिया अभी भारत के स्कोर से 102 रन पीछे है।

टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारत की पूरी टीम पहली पारी में 198 रन बनाकर ऑलआउट हुई। स्मृति मंधाना बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 4 रन बनाकर आउट हुईं। प्रतीका रावल भी 18 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। शेफाली वर्मा ने कुछ दमदार शॉट्स लगाए, लेकिन वह अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सकीं और 35 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, जेमिमा रोड्रिग्स बेहतरीन लय में दिखाई दीं और उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली। जेमिमा ने 84 गेंदों में 52 रनों की दमदार पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर 19 रन बनाने के बाद डार्शी ब्राउन की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुईं।

दीप्ति शर्मा भी सिर्फ 7 रन ही बना सकीं, जबकि ऋचा घोष 11 रन बनाकर एश्ले गार्डनर की गेंद पर अलाना किंग को कैच देकर पवेलियन लौटीं। स्नेह राणा सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुईं। काश्वी गौतम ने 54 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौकों की मदद से नाबाद 34 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में एनाबेल सदरलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 46 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, लूसी हैमिल्टन ने 31 रन देकर 3 विकेट निकाले। डार्शी ब्राउन ने 41 रन खर्च करते हुए 2 विकेट अपने नाम किए।

स्व-सहायता समूहों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं बन रही आत्मनिर्भर

सेटरिंग कार्य और मशरूम उत्पादन से रेवती साहू बनीं लखपति दीदी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत संचालित स्व-सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसका प्रेरणादायक उदाहरण सक्ति जिला के जनपद पंचायत डभरा के ग्राम पंचायत डोमनपुर की सखी सहेली महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती रेवती साहू हैं।

इस समूह की अध्यक्ष श्रीमती खिलेश्वरी बरेठ तथा सचिव श्रीमती रेवती साहू हैं। समूह को एनआरएलएम (बिहान) योजना के अंतर्गत आरएफ राशि 15 हजार रुपये एवं सीआईएफ राशि 60 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हुई है। इसके साथ ही बैंक लिंकेज के माध्यम से भी ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई। स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पहले श्रीमती रेवती साहू घरेलू कार्यों तक ही सीमित थीं और उनके पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था। लेकिन समूह की नियमित बैठकों, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से उन्हें स्वरोजगार करने की प्रेरणा मिली और उन्होंने घर के कार्यों के साथ आर्थिक गतिविधि शुरू करने का निर्णय लिया।

सबसे पहले श्रीमती रेवती साहू ने सेटरिंग प्लेट व्यवसाय की शुरुआत की। इस कार्य के लिए उन्हें एनआरएलएम (बिहान) योजना के अंतर्गत बैंक लिंकेज के माध्यम से 1 हजार रुपये तथा सीआईएफ से 60 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। वित्तीय वर्ष 2025 में उन्हें बैंक लिंकेज के माध्यम से 10 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ, जिसमें से 4 लाख रुपये से सेटरिंग प्लेट सामग्री क्रय कर व्यवसाय का विस्तार किया गया। इस व्यवसाय से वर्तमान में उन्हें लगभग 3 लाख 60 हजार रुपये की वार्षिक आय प्राप्त हो रही है।

आय के स्रोत को और मजबूत करने के लिए श्रीमती रेवती साहू ने मशरूम उत्पादन का कार्य भी शुरू किया। वर्तमान में वे प्रतिदिन लगभग 10 किलोग्राम मशरूम का उत्पादन कर आसपास के बाजारों में विक्रय करती हैं। इस गतिविधि से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 60 हजार से 70 हजार रुपये तक की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। आज श्रीमती रेवती साहू अपनी मेहनत, लगन और एनआरएलएम (बिहान) योजना के सहयोग से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। वे अपने परिवार का सफलतापूर्वक भरण-पोषण कर रही हैं और उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। श्रीमती रेवती साहू की यह सफलता अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह उदाहरण दर्शाता है कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनकर ÷लखपति दीदी बनने का सपना साकार कर सकती हैं।

महतारी वंदन योजना से संवर रहा सुमनी का घर-परिवार

आर्थिक मदद को बनाया बेटी के भविष्य का आधार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड ग्राम छिंदगांव दुर्काटोंगा की रहने वाली सुमनी कश्यप की कहानी आज महिला सशक्तिकरण और दूरदर्शिता की एक जीती-जागती मिसाल बनकर उभरी है। एक साधारण ग्रामीण परिवार से ताल्लुक रखने वाली सुमनी के लिए पिछला कुछ समय काफी चुनौतियों भरा रहा, जहाँ पति की कड़ी मेहनत के बावजूद घर के खर्चों और बच्चों की पढ़ाई के बीच तालमेल बिठाना अक्सर एक कठिन संघर्ष साबित होता था। आर्थिक तंगी के कारण बच्चों के लिए समय पर कॉपी-किताबें और स्कूल की जरूरी चीजें जुटा पाना भी एक बड़ी चिंता का विषय बना रहता था, लेकिन सरकार की महतारी वंदन योजना ने उनके जीवन में एक बड़े सहारे के रूप में दस्तक दी।

जब से सुमन को इस योजना का लाभ मिलना शुरू हुआ और हर महीने 1000 रुपये की सहायता राशि उनके खाते में आने लगी, तब से उनके जीवन की दिशा ही बदल गई है। इस छोटी लेकिन नियमित तौर पर मिलने वाली राशि ने सुमनी के भीतर न केवल आत्मविश्वास का संचार किया, बल्कि उन्हें परिवार की जिम्मेदारियों में सक्रिय रूप से योगदान देने के काबिल भी बनाया। अब वे बिना किसी आर्थिक तनाव के बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दे पा रही हैं और उनकी छोटी-मोटी जरूरतों को समय पर पूरा कर रही हैं। सुमनी बताती हैं कि इस योजना ने उन्हें वह संबल प्रदान किया है जिससे अब वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए छोटा ही सही, पर ठोस सहयोग कर पा रही हैं। सुमन की सोच केवल वर्तमान की जरूरतों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने इस सहायता राशि को अपनी बेटी के उज्जवल कल की बुनियाद बना दिया है। अपनी बेटी की शिक्षा और भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खुलवाया है, जिसमें वे समय-समय पर बचत की राशि जमा कर रही हैं। उनका मानना है कि छोटी-छोटी बचत ही भविष्य का सबसे बड़ा सहारा बनती है और महतारी वंदन योजना से मिली प्रेरणा ने उन्हें अपनी बेटी के सपनों को पूरा करने के लिए अभी से तैयार कर दिया है। आज सुमनी कश्यप न केवल एक आत्मनिर्भर महिला के रूप में अपनी पहचान बना रही हैं, बल्कि अपनी दूरगामी सोच से आने वाली पीढ़ी के लिए सुनहरे भविष्य की इबारत भी लिख रही हैं।

भारत की समृद्ध विरासत ही हमारी ताकत: राज्यपाल डेका

लोकभवन में मनाया गया 5 राज्यों का स्थापना दिवस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत की समृद्ध विरासत हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान इसी एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक है। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने लोकभवन में आज 5 राज्यों के स्थापना दिवस समारोह पर उक्त विचार व्यक्त किए। राज्यपाल ने असम, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा और उत्तरप्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि यह पहल केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भावनात्मक एकीकरण का माध्यम है।

केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में इन राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि असम भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित है और अपनी प्राकृतिक सुंदरता और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। असम टी पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली चायों में से एक है। असम में स्थित काजीरंगा नेशलन पार्क में दुनिया के लगभग दो-तिहाई एक-सींग वाले गैंडे पाए जाते हैं। असम का प्रसिद्ध बिहू त्यौहार हैं। गुवाहाटी में स्थित कामाख्या मंदिर भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है।

राज्यपाल ने कहा कि मणिपुर शाब्दिक अर्थो में आभूषणों की भूमि है। यहां के लोग संगीत तथा कला में बड़े प्रवीण होने के साथ-साथ सृजनशील होते हैं, जो उनकी हथकरघा, दस्तकारी के उत्पादो में झलकती है। मणिपुर देश का आर्किड टोकरी है।

श्री डेका ने कहा कि मेघालय एक प्रसिद्ध पर्यटन राज्य है। जहां की मुख्य जनजातियां मातृवंशीय प्रणाली का अनुसरण करती है। मेघालय को बादलों का घर कहा जाता है। राज्यपाल ने कहा कि हमारे पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा का उल्लेख महाभारत, पुराणों तथा अशोक के शिलालेख में मिलता है। इस राज्य की अपनी अनोखी जनजातीय संस्कृति तथा दिलचस्प लोकगाथाएं है। देवी त्रिपुरा सुंदरी का प्रसिद्ध शक्ति पीठ भक्तों की आस्था का केंद्र है।

श्री डेका ने कहा कि उत्तरप्रदेश, भारत के सबसे बड़े राज्यों में से एक है। यह भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया और बौद्ध धर्म की नींव रखी। विश्व के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक ताजमहल भी यहीं पर है। प्रयागराज में महाकुंभ होता है। राज्यपाल ने सभी राज्यों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत की एकता और अखंडता ही हमें आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रेरित करती है। उन्होंने लोगों से कहा कि जीवन मे एक काम ऐसा करें जिसमें ट्रांजेक्शन नहीं हो केवल ट्रांसफार्मेशन हो।

जल जीवन मिशन से पाली में घर-घर पहुंचा स्वच्छ पेयजल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महासमुंद जिले के ग्राम पाली में कुछ समय पहले तक स्वच्छ पेयजल के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। गांव में पानी के लिए केवल कुछ हैंडपंप और पॉवर पंप ही उपलब्ध थे, जिन पर पूरा गांव निर्भर रहता था। गर्मी के मौसम में पानी की समस्या और भी गंभीर हो जाती थी। महिलाओं को दूर-दूर तक जाकर पानी लाना पड़ता था, जिसमें काफी समय और श्रम लगता था। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन ने ग्रामीणों की इस समस्या का समाधान कर दिया है। मिशन के अंतर्गत पाली में 69 लाख 19 हजार रुपए की लागत से पानी टंकी का निर्माण कराया गया है। गांव में 3143 मीटर लंबी पाइपलाइन बिछाकर 341 घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं। गांव में पहले से उपलब्ध 9 हैंडपंप और 10 पावर पंप भी जल स्रोत के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं। इस साल 21 जनवरी को पाली हर घर जल प्रमाणित गांव भी बन गया है।

जल जीवन मिशन से अब हर घर के आंगन में पानी पहुंचने से पाली की महिलाएं बेहद खुश हैं। यहां रहने वाली श्रीमती खिलेश्वरी बताती हैं कि पहले उसे रोजाना पानी लाने काफी दूर जाना पड़ता था। कई बार पानी के लिए लंबा इंतजार भी करना पड़ता था। अब घर में ही नल के माध्यम से स्वच्छ पानी उपलब्ध हो रहा है, जिससे उनकी मेहनत और समय दोनों बच रहे हैं। अब वह अपने परिवार और अन्य कामों पर ज्यादा ध्यान दे पा रही हैं।

स्व-सहायता समूह ने बदली ममता की तकदीर

किराना और फोटोकॉपी व्यवसाय से बनीं आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला सशक्तिकरण का अर्थ महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक रूप से स्वतंत्र और समर्थ बनाना है, ताकि वे अपने जीवन के फैसले खुद ले सकें, शिक्षा प्राप्त करें और लैंगिक समानता प्राप्त कर सकें। यह प्रक्रिया उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर घरेलू और सार्वजनिक जीवन में समानता, सुरक्षा और सम्मानजनक स्थिति प्रदान करती है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज समाज में कई ऐसी कहानियाँ सामने आ रही हैं, जो महिला सशक्तिकरण की नई परिभाषा लिख रही हैं। सूरजपुर जिले की ममता राजवाड़े इन्हीं में से एक हैं, जिन्होंने आर्थिक तंगी को पीछे छोड़कर मेहनत और लगन से अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

लक्ष्मी समूह से मिली नई दिशा: ममता की सफलता की यात्रा लक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़ने के साथ शुरू हुई। समूह की बैठकों ने न केवल उन्हें बचत का महत्व समझाया, बल्कि उनमें कुछ नया करने का आत्मविश्वास भी भरा। इसी हौसले के दम पर उन्होंने समूह से ऋण लिया और अपने घर के पास ही एक छोटी सी किराना दुकान की नींव रखी। किराना व्यवसाय के सफल संचालन के बाद ममता ने रुकने के बजाय विस्तार का सोचा। अपनी आय को बढ़ाने के उद्देश्य से उन्होंने फोटोकॉपी मशीन खरीदी। आज उनकी मेहनत का परिणाम यह है कि मासिक आय 20 से 30 हज़ार तक अर्जित कर रही हैं। ममता अपने परिवार की प्रमुख आर्थिक आधार बन कर संबल प्रदान कर रही हैं। गाँव की अन्य महिलाओं के लिए एक मिसाल पेश कर महिलाओं को प्रेरित कर रही हैं। ममता राजवाड़े ने कहा कि व्यवसाय भले ही छोटा हो, लेकिन वह आपके आत्मविश्वास को बहुत बड़ा बना देता है। समूह ने मुझे सिर्फ पैसा नहीं, बल्कि आगे बढ़ने का हौसला दिया है।

बिहान' से मिली नई उड़ान

ड्रोन तकनीक से किसानों की मदद कर आत्मनिर्भर बनीं सीमा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कभी सीमित संसाधनों और आर्थिक परेशानियों के बीच जीवन बिताने वाली बिलासपुर जिले के ग्राम पंचायत पौंड़ी, जनपद पंचायत मस्तूरी की सीमा वर्मा आज अपने साहस, मेहनत और नई तकनीक को अपनाने की लगन से सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़कर उन्होंने न केवल अपने जीवन की दिशा बदली, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। गांव में आज ड्रोन दीदी कहलाती हैं।

वर्ष 2014 में सीमा वर्मा ने जय मां गायत्री स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपनी नई यात्रा की शुरुआत की। शुरुआत में उन्होंने समूह के साथ बचत और छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से आर्थिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास किया। 'बिहान' से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार के अवसर मिले और उन्होंने पैरा मशरूम उत्पादन का कार्य शुरू किया। अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने इस कार्य को आगे बढ़ाया, जिससे उन्हें नियमित आय मिलने लगी।

कुछ नया सीखने और आगे बढ़ने की इच्छा ने सीमा को आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के बाद शासन की सहायता से उन्हें ड्रोन सेट, जनरेटर और ई-वाहन उपलब्ध कराया गया। इसके बाद उन्होंने किसानों के खेतों में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशक का छिड़काव करना शुरू किया। आज सीमा वर्मा ड्रोन तकनीक के माध्यम से किसानों की खेती को आसान बना रही हैं और सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं। गांव में लोग उन्हें अब स्नेहपूर्वक 'ड्रोन दीदी' के नाम से पुकारते हैं।

सीमा वर्मा की यह प्रेरक यात्रा साबित करती है कि सही अवसर, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलने पर ग्रामीण महिलाएं भी अपने हौसले के दम पर नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं। 'बिहान' योजना ने उनके जीवन को नई दिशा दी और उनके सपनों को नई उड़ान प्रदान की।

महतारी वंदन योजना से बदली जिंदगी की तस्वीर

सुखी पुनेम बनीं आत्मनिर्भरता और पोषण की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी पहल महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास और खुशहाली के नए रंग भर रही है। बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र के ग्राम कावड़गांव की 47 वर्षीय श्रीमती सुखी पुनेम इसकी प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरी हैं। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और सकारात्मक सोच से न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी एक नई राह दिखाई है।

पति श्री सोमलू पुनेम के सहयोग से सुखी पुनेम ने योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता का सार्थक उपयोग करते हुए अपने घर के पास एक छोटी-सी हरी-भरी बाड़ी (किचन गार्डन) विकसित की। उन्होंने इस राशि से सब्जियों के बीज खरीदे और बाड़ी की तैयारी की। उनकी मेहनत रंग लाई और आज उनकी बाड़ी में टमाटर, बैंगन और सरसों की भाजी जैसी ताजी व पौष्टिक सब्जियां लहलहा रही हैं। इससे उनके परिवार को पौष्टिक आहार मिलने के साथ-साथ अतिरिक्त आय का स्रोत भी प्राप्त हुआ है।

सुखी पुनेम की इस यात्रा में स्थानीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने बाड़ी की देखरेख, पौधों के संरक्षण और बेहतर उत्पादन के लिए समय-समय पर मार्गदर्शन प्रदान किया। इस सहयोग और मेहनत के परिणामस्वरूप श्रीमती सुखी पुनेम की बाड़ी आज गांव में एक प्रेरक उदाहरण बन गई है।

विशेष बात यह है कि सुखी पुनेम केवल अपने परिवार तक सीमित नहीं रहीं। वे अपनी बाड़ी में उगाई गई ताजी सब्जियां गांव के स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के भोजन के लिए भी उपलब्ध कराती हैं, जिससे बच्चों को पौष्टिक आहार मिल सके और कुपोषण से लड़ाई को मजबूती मिले।

शासकीय स्कूलों के बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही विष्णु देव सरकार: उद्योग मंत्री

32 विद्यालयों में बालक बालिका शौचालय

रायपुर। शासकीय स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रहे कोरबा नगर विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने आज शुक्रवार को 32 विद्यालयों में बालक बालिका शौचालय निर्माण और 21 विद्यालयों में किचन शेड निर्माण कार्य समेत 3.08 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

कोरबा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दर्री जोन के शासकीय स्कूल अगारखार के पास आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में मंत्री श्री लखन लाल देवांगन और महापौर श्रींमती संजू देवी राजपूत समेत अन्य अतिथि गणों ने विधिवत भूमिपुजन एवं शिलान्यास किया।

भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के सुशासन में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और सुसज्जित करने की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उनके नेतृत्व में प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की शैक्षणिक संस्थाओं में अधोसंरचना को उन्नत करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। जिला खनिज न्यास मद से शासकीय स्कूलों के नवीन भवन निर्माण, बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, किचन शेड, सुरक्षा हेतु बाउंड्रीवॉल का निर्माण तेजी से कराए जा रहे हैं।

इसी तरह इसी तरह कोसाबाड़ी जोन अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर सीएसईबी कोरबा में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सुशासन की सरकार में आज कोरबा नगर समेत जिले का सर्वांगीण विकास हो रहा है। जनता की अपेक्षा में खरा उतारते हुए उनकी हर मांग और जरूर को ध्यान में रखते हुए कार्य किए जा रहे हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर, बच्चों के अंदर भारत और भारतीयता के प्रति, एक नागरिक के रूप में उन कर्तव्यों का बोध कराने, सुयोग्य नागरिक बनाने हेतु अपने राष्ट्रीय दायित्व का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन कर रहा है।

शिक्षा के साथ संस्कार भी आज बच्चों को दिए जा रहे हैं। यहां से निकले हुए छात्र आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समाज को नेतृत्व देकर विकसित भारत के संकल्प के साथ जुड़कर पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपना योगदान दे रहे हैं। मेरा सौभाग्य है कि मुझे विकास कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

इस अवसर पर मध्य क्षेत्र विद्या

सड़क निर्माण में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

निर्माण के दौरान ही फील्ड में जाकर नियमित निरीक्षण करें अधिकारी, लापरवाही पर कार्रवाई और ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ताहीन कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कहीं भी निर्माण कार्य में कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी और दोषी ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह निर्देश आज मंत्रालय महानदी भवन में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कार्यों और गतिविधियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण के बाद निरीक्षण करने के बजाय निर्माण के दौरान ही नियमित रूप से फील्ड में जाकर गुणवत्ता की निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण केवल तकनीकी कार्य नहीं बल्कि आमजन की सुविधा से जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक कार्य है और इससे सरकार की छवि भी बनती है। यदि सड़क बनने के कुछ वर्षों के भीतर ही खराब हो जाए तो इससे सरकार की विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

बैठक में बागबहारङ्कोतबा सड़क की खराब स्थिति पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह सड़क कुछ वर्ष पहले ही बनी थी, लेकिन उसकी स्थिति तेजी से खराब हो गई है। यदि सड़क चार वर्ष भी नहीं चले तो इसका कोई औचित्य नहीं रह जाता। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस सड़क के निर्माण में हुई कमियों की गंभीरता से जांच की जाए

और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो इसके लिए निर्माण के दौरान ही गुणवत्ता की सख्त निगरानी की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर सड़क निर्माण कार्य हो रहे हैं, लेकिन आमजन को इन कार्यों की जानकारी नहीं मिल पाती जिससे सकारात्मक नैरेटिव नहीं बनता। उन्होंने निर्देश दिए कि बड़ी सड़क परियोजनाओं के शिलान्यास और भूमिपूजन मुख्यमंत्री और मंत्रियों के हाथों से कराए जाएं तथा उन्हें व्यापक रूप से आमजन के सामने प्रस्तुत किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण के टेंडर जारी होने से लेकर कार्य आवंटन (अवॉर्ड) तक की पूरी प्रक्रिया के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए। उन्होंने कहा कि कई ठेकेदार बहुत कम दर यानी बिलो रेट पर टेंडर प्राप्त कर लेते हैं, जिसके कारण कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में संबंधित ठेकेदार की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यदि ठेकेदार बिलो रेट पर टेंडर लेता है तो यह उसकी जिम्मेदारी होगी कि वह कार्य को निर्धारित गुणवत्ता और समय-सीमा में पूरा करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियमावली तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्य राज्यों में लागू बेहतर व्यवस्थाओं का अध्ययन कर छत्तीसगढ़ में भी उपयुक्त प्रावधान लागू किए जाएं। साथ ही टेंडर और डीपीआर जैसे तकनीकी कार्यों के लिए एक अलग इकाई बनाने पर भी गंभीरता से विचार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लगभग 300 ऐसे गांव चिन्हित किए गए हैं, जहां बरसात के दौरान संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। ऐसे गांवों तक पहुंचने के लिए लोगों को कई बार बीमार मरीजों को खाट में उठाकर ले जाना पड़ता है, जो अत्यंत चिंता का विषय है। खाद्य विभाग से प्राप्त सूची के आधार पर चिन्हित इन गांवों को सड़कों और पुल-पुलियों के माध्यम से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने लैलूंगा- कुंजारा -तोलगेपहाड़-मिलूपारा- तमनार मार्ग के निर्माण की आवश्यकता पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बड़ी आबादी निवास करती है और यहां सड़क का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। इस मार्ग के कुछ हिस्से में वन स्वीकृति की आवश्यकता होगी, लेकिन शेष हिस्सों में निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए।

बैठक में मनेंद्रगढ़- सूरजपुर- अंबिकापुर- पत्थलगांव-कुनकुरी- जशपुर- झारखंड सीमा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 की प्रगति की भी समीक्षा की गई। लगभग 353 किलोमीटर लंबाई वाली इस सड़क परियोजना की स्थिति पर चर्चा की गई। पत्थलगांव-कुनकुरी खंड में भू-अर्जन का मुआवजा दिए जाने की जानकारी भी बैठक में साझा की गई। इसके अलावा अंबिकापुर- सेमरसोत- रामानुजगंज- गढ़वा मार्ग, गीदम-दंतेवाड़ा मार्ग, चांपा- सक्ती- रायगढ़- ओडिशा सीमा मार्ग, रायपुर- दुर्ग मार्ग तथा चिल्फी क्षेत्र की सड़कों सहित कई अन्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में बस्तर में पुल-पुलिया निर्माण सहित 17 सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही राज्य द्रुतगामी सड़क संपर्क मार्ग की आगामी कार्ययोजना की विस्तृत रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई।

मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में शासकीय भवनों के डिजाइन बहुत पुराने और एक जैसे दिखाई देते हैं। अब समय आ गया है कि शासकीय भवनों का निर्माण आधुनिक डिजाइन और तकनीक के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि भवनों का डिजाइन उनकी उपयोगिता के अनुरूप होना चाहिए और भूमि के बेहतर उपयोग के लिए हॉरिजॉन्टल की जगह वर्टिकल संरचना को बढ़ावा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने राजभवन में बन रहे गेस्ट हाउस को भी आधुनिक और गरिमामय स्वरूप में तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कें आमजन के जीवन से सीधे जुड़ी होती हैं और लोग सड़क की गुणवत्ता को बहुत महत्व देते हैं। अन्य कई विकास कार्य भले दिखाई न दें, लेकिन सड़कें सीधे लोगों को दिखाई देती हैं और सरकार की छवि भी उसी के आधार पर बनती है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा